वैशाख शुक्ल पक्ष-8, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 329 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 मई 2024 बुधवार

आज का मौसम
40 अधिकतम
27 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

पांचवें दौर के मतदान से पहले भाजपा व कांग्रेस का फोकस उत्तरप्रदेश-महाराष्ट्र पर

सियासी ताकत-तरकीबों का दौर, मोदी का महाराष्ट्र मिशन, कांग्रेस का राग संविधान

नई दिल्ली/एजेंसी,दोपहर मेट्रो

लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण के लिये देशभर में राजनीतिक दलों के दिग्गज ताकत झोंक रहे हैं। इसके लिये नये मुद्दे भी गढे जा रहे हैं और पुराने मुद्दों को धारदार किया जा रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र मिशन पर हैं। वे यहां पांचवें चरण के लिए चुनाव प्रचार करेंगे तथा दोपहर बाद डिंडोरी में और कल्याण में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद मोदी मुंबई में शाम सात बजे रोड शो करेंगे। यह रोड शो मुंबई उत्तर पूर्व घाटकोपर क्षेत्र में होगा। पीएम का मुंबई में यह पहला रोड शो है। बीजेपी और शिवसेना मुंबई की तीन-तीन सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं।

सीएम यादव आज तीन राज्यों के दौरे पर

मध्यप्रदेश के मु यमंत्री मोहन यादव आज दिल्ली, हरियाणा और उत्तरप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। यादव ने आज सुबह नई दिल्ली से हरियाणा के रोहतक पहुंचकर एक स्थानीय कार्यक्रम में भाग लिया। । इसके बाद वे रोहतक लोकसभा की कोसली विधानसभा के बेरली में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित रैली में शामिल हुए। आज दोपहर वे उत्तरप्रदेश के झांसी पहुंचकर मु यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ रोड शो में भाग लेंगे। शाम को वे पश्चिम दिल्ली लोकसभा में आयोजित जनसभा और रात को उत्तर-पश्चिम दिल्ली में जनसभा को संबोधित करेंगे।

सरमा बोले-400 सीटें आएंगी तो ज्ञानवापी की जगह मंदिर बनेगा

दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों को लेकर मचे घमासान के बीच बीजेपी ने अपनी पूरी ताकत दिल्ली में झोंक दी है। उसके तमाम बड़े-बड़े नेता दिल्ली में हैं। इतना ही नहीं, अलग-अलग राज्य के मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए सड़कों पर रोड शो करके वोट मांग रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने बीजेपी के पूर्वी दिल्ली उम्मीदवार हर्ष मल्होत्रा के समर्थन में प्रचार किया व कहा कि भाजपा 400 के पार जाएगी तो मथुरा में भी भव्य मंदिर बनेगा और ज्ञानवापी की जगह पर भी बाबा विश्वनाथ का भव्य मंदिर बनेगा। पिछले चुनाव में हमने कहा था कि राम मंदिर बनाना है, यह बन चुका है।

आखिरकार वाराणसी से कॉमेडियन रंगीला का नामांकन

स्टैंडअप कॉमेडियन श्याम रंगीला को आखिरकार वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन भरने में सफलता मिल गई है। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है व लिखा - 'आप सबकी शुभकामनाओं और सहयोग से मुझे ताकत मिली, आज देर से ही सही, नामांकन हो गया। सभी दस्तावेज और प्रक्रिया के साथ अन्य आ रही बाधाओं को पार करके हम अब वाराणसी के लोगों का ऑप्शन बनने की दहलीज पर है।' दरअसल कल नामांकन करने का अंतिम दिन था। बीजेपी प्रत्याशी नरेंद्र मोदी ने चार प्रस्तावकों के साथ अपना नामांकन किया। इस मौके पर कई केंद्रीय मंत्री और कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे। इसके बाद श्याम रंगीला समेत कई और प्रत्याशियों का भी नामांकन पत्र लिया गया।

भागवत कर चुके हैं संविधान बदलने की बात :खरगे

उधर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस की और कहा कि अब तक चार चरणों के मतदान में इंडिया गठबंधन काफी आगे है। जनता ने नरेंद्र मोदी की विदाई तय कर दी है। खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधा और कहा कि उन्होंने संविधान को बदलने की बात की थी। भाजपा के कई नेता संविधान बदलने की बात करते रहते हैं लेकिन इन सब लोगों को मोदी कभी नहीं मना करते हैं। खरगे ने कहा कि ये चुनाव विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ वो लोग हैं जो कुछ अमीरों के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं और दूसरी तरह गरीबों और युवाओं के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई आरक्षण और संविधान बचाने की लड़ाई है। संविधान बचेगा तो आरक्षण भी बचेगा। वरना तानाशाही में लोगों के वोट का अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

बदलने वाला है गूगल सर्च, नए दौर के सर्च इंजन की आमद

नई दिल्ली । गूगल ने कई नए फीचर्स और न्यू प्रोजेक्ट से पर्दा उठा दिया है। उसने AI Model Gemini को बेहतर बनाया है। कुल मिलाकर गूगल सर्च को बेहतर कर दिया गया है। देर रात एक इवेंट में इसका खुलासा हुआ है। इन अपडेट का मकसद यूजर्स एक्सपीरियंस को बेहतर करना और ज्यादा एफिसिएंस बनाना बताया गया है। गूगल इससे पहले सर्च लैब्स के साथ एआई समरी और अन्य फीचर्स पेश कर चुका है। अब सर्चिंग का तरीका और बेहतर हो जाएगा। नए फीचर्स में Gemini AI को शामिल करके,ढ्ढ ह्1द्ग1द्ब2ह्य को जारी कर दिया है। हालांकि अभी यह सिर्फ अमेरिका के लिए है। जल्द ही इसे दूसरे देशों के लिए भी जारी होगा। इस टूल की मदद से यूजर्स को गूगल सर्च में क्विक रिस्पोंस मिलेगा। यूजर्स को समराइज्ड इंफोर्मेशन मिलेगी, जिसके साथ कुछ लिंक भी होंगे. गूगल इस फीचर को सर्च लैब्स में टेस्ट कर चुकी है।

19 फीट नीचे फंसे 14 खदान मजदूरों का रेस्क्यू जारी

जयपुर एजेंसी। नीम का थाना जिले में बीती रात हिंदुस्तान कॉपर की कोलिहान खदान में लिफ्ट की रस्सी टूटने से 1800 फीट की गहराई फंसे 14 लोगों का रेस्क्यू जारी है। अब तक 10 लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। जिनमें से तीन लोगों को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है। बाकी अन्य चार लोगों को भी बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि अंदर फंसे सभी लोग सुरक्षित हैं। दरअसल लिफ्ट ऊपर आते वक्त अचानक रस्सा टूटा था जिसके बाद वो करीब 1875 फीट नीचे जा गिरी। इस हादसे के वक्त खदान में कोलकाता से आई विजिलेंस टीम के 14 अधिकारी मौजूद थे।

न्यूजक्लिक के प्रधान संपादक की गिरफ्तारी अमान्य

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने आज न्यूजक्लिक के प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी और रिमांड को अमान्य कर दिया, जिन्हें पिछले साल दिल्ली पुलिस ने यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया था। यूएपीए मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली पुरकायस्थ की याचिका पर सुनवाई के बाद जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा रिमांड कॉपी उपलब्ध नहीं कराई गई और इससे गिरफ्तारी का आधार प्रभावित हुआ है इसलिए पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को हम निरस्त करते हैं। जमानत बांड प्रस्तुत करने पर ट्रायल कोर्ट की संतुष्टि के आधार पर उनकी रिहाई की जाएगी। पुरकायस्थ को न्यूजक्लिक पोर्टल के जरिए राष्ट्रविरोधी प्रचार को बढ़ावा देने और इस काम के लिए चीन से फंडिंग लेने के मामले में दिल्ली पुलिस ने पिछले साल अक्टूबर में गिरफ्तार किया था।

चीन ने फिर ताईवान को डराया, विमानों व जहाज से की घेराबंदी

नई दिल्ली , एजेंसी। लंबे समय से चीन और ताइवान के संबंध लगातार तनावपूर्ण हैं। इस बीच ताइवान ने शी जिनपिंग सरकार पर आरोप लगाया है कि चीन के 45 मिलिट्री एयरक्राफ्ट उनकी हवाई सीमा में डिटेक्ट किए गए हैं। ताइवान का दावा है कि बीते 24 घंटों में उनकी हवाई सीमा में चीन के 45 एयरक्राफ्ट और छह नौसैनिक जहाजों को देखा गया है। ताइवान सरकार ने कहा कि चीन के एयरक्राफ्ट ने ताइवान स्ट्रेट की मीडियन लाइन को पार किया है। दरअसल ताइवान की सीमा के आसपास समय-समय पर चीन के सैन्य विमान और नौसैनिक जहाज देखे जाते रहे हैं। इससे पहले मई की शुरुआत में भी चीन के सात सैन्य विमान ताइवान की हवाई सीमा में नजर आए थे। ताइवान चीन के दक्षिण पूर्वी तट से सौ मील दूर स्थित छोटा सा द्वीप है।इस पर कभी चीन का ही कब्जा था। 949 से चीन और ताइवान अलग-अलग है।

मूडीज ने कहा-तेजी से बढ़ती रहेगी अर्थव्यवस्था

6.6 फीसदी का अनुमान

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर चुनावी दौर में जारी कई तरह की आशंका व अनुमानों के बीच ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई इकोनॉमी बना हुआ है और इसकी रफ्तार जारी रहेगी। वर्ल्ड बैंक से लेकर आईएमएफ तक ने भी पहले यही कहा था। अब मूडीज की भी मुहर लगी है। उसने चालू वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.6 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। एजेंसी ने कहा कि तेज आर्थिक वृद्धि के साथ मजबूत लोन डिमांड से एनबीएफसी क्षेत्र की लाभप्रदता को समर्थन मिलेगा और इस सेक्टर में जबरदस्त ग्रोथ देखने को मिलेगी।

मूडीज के मुताबिक, बीते फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में इंडियन इकोनॉमी की रफ्तार 8 फीसदी रहने का अनुमान है। एनबीएफसी के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में गैर-बैंक वित्त कंपनियों के लिए फंडिंग लागत बढ़ रही है। हालांकि, ब्याज दरों में वृद्धि से इनके ग्राहकों पर कर्ज का बोझ बढ़ सकता है। इससे एनबीएफसी में मजबूत ऋण वृद्धि होगी, जिससे उनके मुनाफे पर पड़ने वाले लागत का दबाव कम होगा और सेक्टर को मजबूती मिलेगी. भारत की विशाल अर्थव्यवस्था में लोगों और व्यवसायों के बीच लोन जरूरतों को पूरा करने में एनबीएफसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेंगी।

सिंधिया की मां माधवीराजे का निधन, दिल्ली में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली , एजेंसी।

ग्वालियर राजघराने की राजमाता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवीराजे सिंधिया का आज सुबह निधन हो गया। वह करीब 75 वर्ष की थीं। माधवी राजे लंबे समय से बीमार चल रही थी। उन्हें बीती 15 फरवरी को उन्हें एम्स में भर्ती किया गया था और तब से ही उनकी तबियत खराब चल रही थी। दिल्ली के एम्स से जुड़े सूत्रों ने कहा कि माधवीराजे ने सुबह 9.28 बजे अंतिम सांस ली। पिछले कुछ दिन से वह वेंटिलेटर पर थीं और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही थीं। उन्हें 15 फरवरी को एम्स में भर्ती किया गया था। उन्हें निमोनिया भी हो गया था। ज्योतिरादित्य गुना-शिवपुरी संसदीय सीट से भाजपा के प्रत्याशी हैं, जहां सात मई को मतदान हुआ था। चुनाव प्रचार के दौरान भी सिंधिया का लगातार दिल्ली दौरा होता रहा था। भाजपा के कद्दावर नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य की मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया मूल रूप से नेपाल की रहने वाली थीं। उनका नेपाल के राजघराने से संबंध था। उनके दादा जुद्ध शमशेर बहादुर नेपाल के प्रधानमंत्री थे। साल 1966 में उनका माधवराव सिंधिया के साथ उनका विवाह हुआ था।

मेट्रो एंकर

अभिनेता संजय दत्त ने विहस्की ब्रांड लांच कर कूटे कई करोड

बाबा का ग्लेनवॉक, सुराप्रेमियों का सुरूर बना

मुबंई , एजेंसी।

लीवुड का हर सेलिब्रिटी अपने अच्छे दिनों में कोई ऐसा काम शुरू कर रहा है जो अभिनय के दिनों में मंदी के समय काम आये। कई अभिनेता अपना पैसा दूसरे धंधों में जमकर लगा रहे हैं। ऐसे में बाबा के नाम से मशहूर संजय दत्त ने ऐसे धंधे में हाथ आजमाया है जहां से उन्हें जमकर पैसा मिल रहा है। उन्होंने ग्लेनवाक के नाम से व्हिस्की का ब्रांड लांच किया है।

यह निवेश गत वर्ष खामोशी से हुआ था और अब इसका मुनाफा बोलने लगा है। एक साल की कमाई सुनकर ही हर कोई चौंक रहा है। ये ब्रांड कार्टेल एंड ब्रदर्स के साथ लॉन्च किया गया है। इसमें बीते साल ही संजय दत्त ने बड़ी रकम लगाई है। संजय दत्त की व्हिस्की को लॉन्च हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है फिर भी इसने मार्केट में कमाल कर दिया है। माना जा रहा है कि संजय दत्त के नाम की वजह से लोग इसे लेकर ज्यादा अट्रैक्ट हो रहे हैं। द ग्लेनवॉक की एक साल की कमाई पर रिपोर्ट्स की मानें तो चार महीने में 1,20,000 बोतल बिक गई। मुंबई, पुणे और ठाणे में इस व्हिस्की की सबसे ज्यादा कमाई हुई है। वह चार महीने में 19. 20 करोड़ रुपये की कमाई कर चुके हैं। कंपनी का टारगेट अगले फाइनेंशियल ईयर तक 2.8 मिलियन बोतल बेचने का है। अगर व्हिस्की की कमाई ऐसे ही चलती रही तो ये टारगेट भी पूरा करना ज्यादा मुश्किल नहीं है।

इतनी है कीमतः द ग्लेनवॉक की कीमत एक बोतल 1,550 रुपये से 1,600 रुपये के बीच है। इसकी कम कीमत की वजह से ही लोग इसे आसानी से खरीद पा रहे हैं। संजय दत्त से पहले दिग्गज एक्टर डैनी डेन्जोंगपा ने भी शराब के बिजनेस में इन्वेस्ट किया है. उनकी युकसोम ब्रूअरीज नाम की कंपनी है जो अलग-अलग तरह की बियर बनाती है।

कई सेलेब्स के हैं रेस्तरां

कई सेलेब्स फिल्मों में काम करने के साथ अपना साइड में कुछ ना कुछ बिजनेस जरुर करते हैं। आजकल यह निवेश कम उम्र में ही किया जा रहा है। मसलन सुनील शेट्टी के दशकों से कई रेस्तरां हैं। खुद विराट कोहली ने भी मुबंई में किशोर कुमार के बंगले के भूतल पर रेस्तरां खोल रखा है। कई ने ब्यूटी प्रोडक्ट्स की कंपनी खोल रखी हैं।

भोपाल में 22 बच्चों को मिला नया परिवार, चार वर्षीय चाइल्ड को अमेरिकी दंपति ने लिया गोद

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने दत्तक माता-पिता से चर्चा की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अपने परिवार से बिछड़े या फिर छोड़े गए अनाथ बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शासन-प्रशासन सहित अन्य संस्थाओं द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भोपाल जिले में अब तक 22 बच्चों को नया परिवार मिला है। मंगलवार को एक 4 वर्षीय स्पेशल चाइल्ड को अमेरिकी दंपति ने गोद लिया है। इस बच्चे को बोलने और सुनने में परेशानी होती है।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट साउथ हर्षल पंचोली ने मंगलवार को अमेरिकी मूल के नागरिक दम्पति को जिला भोपाल में स्थित विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण मातृछाया सेवा भारती के 4 वर्षीय बालक को दत्तक ग्रहण में दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट पंचोली द्वारा दत्तक माता-पिता से चर्चा की गई एवं उनके बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। पंचोली ने बताया कि दंपती की पूरी प्रक्रिया कर ली है। वे 20 या 21 मई को अमेरिका के लिए रवाना हो जाएंगे।

यह है नियम

उल्लेखनीय है कि 25 सितम्बर 2022 को दत्तक ग्रहण विनियम 2022 के लागु होने के पश्चात् भारत शासन द्वारा दत्तक ग्रहण प्रक्रिया को आसन बनाते हुए दत्तक ग्रहण आदेश कलेक्टर अथवा अपर कलेक्टर के द्वारा प्रदाय किया जाता है, विनिमय के लागु होने के पश्चात् जिले भोपाल में अब तक 22 दत्तक ग्रहण आदेश जारी किए जा चुके। जिसमे 8 आदेश अंतरराष्ट्रीय दत्तक ग्रहण आदेश एवं 14 राष्ट्रीय आदेश दिए गए।

दो साल पहले किया था आवेदन

दरअसल, अमेरिकी दंपती ने अमेरिका की एजेंसी के माध्यम से दो साल पहले भारत सरकार के सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी में आवेदन किया था, जिसके दो साल बाद दंपती को यह बच्चा सौंपा गया है। दंपती ने बताया कि बच्चे होने के बाद भी बच्चा गोद लेना चाहते थे। भारत से बच्चे गोद दिए जाने का पता होने के बाद उन्होंने वहां की एजेंसी के माध्यम से दो साल पहले आवेदन किया था। वे बच्चे को लेकर बहुत खुश हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर कॉलोनाईजर्स पर कसा शिकंजा

सस्ते प्लाट के लालच में फंसे आम लोग छह कॉलोनियों की रजिस्ट्री पर रोक

अरेड़ी गांव में दो कालोनियां बीजासेन के नाम से काटी जा रही

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में अवैध कालोनियों पर जिला प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जिसके तहत कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने छह कालोनियों में रजिस्ट्री पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही कालोनाइजर को नोटिस देकर जवाब-तलब किया है। यह कालोनियां पिपलिया जाहिरपीर, सेवनिया ओंकारा, अरेड़ी, छावनी पठार और सिंकदराबाद में है। कलेक्टर ने छह जून तक बिल्डर को जवाब पेश करने का समय दिया है। यह कार्रवाई हुजूर एसडीएम आशुतोष शर्मा के प्रतिवेदन के आधार पर की गई है । प्रशासन ने कालोनाइजर्स पर यह एक्शन इसलिये शुरू किया है ? क्योंकि कई लोग इनसे परेशान होकर शिकायत करने पहुंच रहे हैं। बताया जाता है कि हुजूर एसडीएम ने क्षेत्र में अवैध कालोनियों को लेकर जांच अभियान शुरु किया है। जिसके तहत कालोनाइजर्स से विकास अनुमति, कालोनाइजर रजिस्ट्रेशन, टीएंडसीपी की अनुमति, डायवर्जन की जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक अरेड़ी गांव में दो कालोनियां बीजासेन के नाम से काटी जा रही हैं। जिसमें पुरुषोत्तम सिंह और नीलेश शुक्ला ने 0.999 हेक्टेयर और मुकेश पाल ने 1.667 हेक्टेयर में बीजासेन नाम से कालोनी काटी है। जहां प्लाट की बिक्री की जा रही है । मुकेश ने पिपलिया जाहिरपीर में भी 1.667 हेक्टेयर एरिया में एक कालोनी काटी है। जिसकी विकास अनुमति सहित अन्य परमिशन नहीं है । कलेक्टर ने विनोद यादव को ग्राम सेविनया ओंकार में 1.959 हेक्टेयर में अवैध कालोनी काटने पर नोटिस दिया है । इसी तरह अनुज साहू को छावनी पठार में 2.430 हेक्टेयर एरिया और हेमंत गगैया और सुनील प्रसाद को सिकंदराबाद में 1.376 एरिया में कालोनी काटने पर नोटिस दिया है।

अब कलेक्टर की मंजूरी से होगी रजिस्ट्री

कलेक्टर ने अवैध कालोनियों को लेकर सख्ती के मामले में वरिष्ठ जिला पंजीयक को भी पत्र लिखा है, जिसमें बताया गया है कि इन जगहों पर अवैध कालोनियां काटी जा रही हैं । ऐसे में इन जगहों की रजिस्ट्री कराने से पहले परमिशन ली जानी चाहिए ।

घायल तेंदुए को बचाने काटना पड़ा पंजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में मादा तेंदुए को बचाने के लिये उसका पंजा काटना पड़ा है। उसे सामान्य वन मंडल विदिशा की लटेरी परिक्षेत्र के एक ग्रामीण के घर से घायल अवस्था में लाया गया था। यह मादा तेंदुआ है तथा वन विहार नौ मई से है। इसे वन विहार क्वारंटाइन में रखा गया। उक्त घायल मादा तेंदुआ का उपचार वन विहार के वन्य प्राणी चिकित्सक डा. अतुल गुप्ता द्वारा समय-समय पर विशेषज्ञों से परामर्श लेकर किया जा रहा है। राज्य पशु चिकित्सालय के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डा. सुनील कुमार तुमड़िया, चिकित्सक डा. अतुल गुप्ता एवं चिकित्सक डा. रजत कुलकर्णी द्वारा घायल मादा तेंदुआ को बेहोश कर संयुक्त रूप से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस मौके पर एक्स-रे किया और ब्लड सैंपल लिए गए। दल द्वारा परीक्षण के दौरान पाया गया कि पिछले बायें पंजे की हड्डियों टूटी हुई पाई गई और गैंगेरियस होने के कारण एवं घायल मादा तेंदुआ की जान बचाने के लिए उसके पंजे को अलग कर दिया गया। उक्त मादा तेंदुआ की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाकर उसका सतत उपचार किया जा रहा है।

शीतल दास की बगिया के हनुमान मंदिर में भाजपा सरकार की सफलता एवं 400 पार के संकल्प के लिए हवन किया गया।

पहली टर्फ क्रिकेट सिंधी लीग पर सनी 07 का कब्जा

विजेता टीम को 51 हजार, उप विजेता को 21 हजार की राशि

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी मेला मेला समिति द्वारा पहली बार आयोजित टर्फ क्रिकेट लीग 2024 का आयोजन किया गया। क्लब 07, टर्फ एंड कैफे में रविवार को फाइनल मैच खेला गया, जिसमें विजेता सनी 07 रही, टीम को 51000 रूपये नकद पुरस्कार दिया गया। उपविजेता हीट 07 रही जिसे 21000 रूपए की पुरस्कार के रूप में दी गई। समापन अवसर पर चारों दिन के मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार दिए गए। टूर्नामेंट में 16 टीमों के 32 मैच खेले गये।

सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि पिछले 28 सालों से निरंतर सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रम करने के बाद पहली बार एक खेल आयोजन किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी एवं विधायक भगवान दास सबनानी थे।

कार्यक्रम का संयोजन कपिल भाटिया, राम आसुदनी, जितेश दिनानी, जीतू आसवानी, रितेश भोजवानी ने अध्यक्ष मनीष दरयानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा के नेतृत्व में किया। बता दे सिन्धी मेला समिति द्वारा आयोजित इस क्रिकेट लीग में लगभग 130 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जो सिन्धी भाषी थे।

चिंताएं छोड़कर प्रभु चिंतन करिए: भक्ति प्रियाजी

हिरदाराम नगर। भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के चौथे दिवस भक्ति प्रियाजी ने कहा कि आप इस जगत की सभी चिंताएं छोड़कर उस मालिक का चिंतन करिए जो हर समय आपका साथ देता है। जीवन मृत्यु में हर समय प्रभु आपके साथ रहेगा। बाकी तो सब जीवन की डोर जब तक आपकी सांस हैं तब तक साथ हैं। कोई दरवाजे तक छोड़ने जाएगा तो कोई शमशान घाट तक, लेकिन वह मालिक आपके साथ हमेशा रहेगा। किसी को भी अपना शत्रु न बनाना सभी को अपना मित्र बनाकर रखिए। शत्रु से भी मित्र जैसा व्यवहार करिए तो एक दिन वह भी आपका मित्र बन जाएगा। भक्ति प्रियाजी ने आगे कहा कि जो शर्तों में प्यार होता है वह प्यार सच्चा नहीं होता गुरु कृपा से बढ़कर कुछ भी नहीं है जिस पर गुरु का हाथ है उसे किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं है। कथा में भगवान श्री कृष्ण का जन्म प्रसंग सुनाया गया।

नवयुवक सभा में समर कैंप शुरू, बच्चे सीख रहे हुनर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

अनंदराम टी शाहानी कन्या उच्चतर विद्यालय सिंधु माध्यमिक विद्यालय में सोमवार से समर कैंप का शुभारंभ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों व संतनगर के बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से हिस्सा ले रहे हैं। कैंप में डांस, मेहंदी, आर्ट एंड क्राफ्ट, कंप्यूटर के बेसिक कोर्स, ड्राइंग में का विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शुभारंभ अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्य, प्राचार्य ज्योति चौहान, प्रधानाचार्य प्रिया धर्मदासानी, शिक्षक गण व विद्यार्थी उपस्थित थे। सभा के अध्यक्ष शिक्षाविद विष्णु गेहानी, सचिव सुरेश राजपाल ने कहा कि बच्चे कैंप में समय का सदुपयोग करते हुए अपने हुनर को निखारेंगे।

पशु मेले की जांच की मांग, विहिप ने एसपी, एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल संतनगर ने हुजूर एसडीएम और ग्रामीण देहात एसपी को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों से गौ तस्करी आए दिन होती है। संगठन के द्वारा गाय के ट्रक पकड़े जाते हैं। गो तस्करी रोकने पुलिस को एक्शन लेना चाहिए।

भोपाल जिले में लगने वाले थाना इंटखेड़ी अंर्तगत अचारपूरा पर पशु मेले से गौ तस्करी होने की संभावना है, कुछ समय पूर्व भी बैरसिया में लगे मेले से बड़ी संख्या में बछड़े-सांड का क्रय विक्रय हुआ, थाना खजूरी ने पकड़ कर कार्रवाई की। अभी अचारपुरा में इस प्रकार का मेला फिर लग रहा है जहां विशेष रूप से गौ पुत्र बछड़े सांड का क्रय विक्रय हो रहा है,

बजरंग दल ने ज्ञापन में मांग की है कि मेले की जांच की जाए कि इसमें बिकने वाले बछड़े कहां से लाए जाते हैं और कौन इन्हें खरीदना है और उनका क्या उपयोग होता है। ज्ञापन सौंपने वालों में भोपाल विभाग धर्म प्रसार सहसंयोजक जीतू कटारिया, संत जिला उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश, मंत्री भूपेंद्र गुर्जर, जिला सह संयोजक रघु रायकवार,जिला गोरक्षा छोटू रैकवार,दयाराम मेहर, प्रखंड अध्यक्ष त्रिलोक ख्यानी,संयोजक सोनू मीणा व अन्य शामिल थे।

मेट्रो एंकर | 13 छात्रों के 90 प्रतिशत से अधिक अंक आए

मिठी स्कूल का 10वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हिमांशु ने हासिल किए 97.6 प्रतिशत अंक

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालानी एजूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों सीबीएसई की 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में अपनी अकादमिक उत्कृष्टता का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

स्कूल के छात्र हिमांशु लखवानी ने 97.6 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार आदित्य पेसवानी ने 95.8 प्रतिशत अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। कुनाल ज्ञानचंदानी ने 95 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा, हर्षित साहू ने 94.8त्न प्राप्त कर चौथा, वैभव लखानी ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पांचवाँ एवं मोहित डे ने 94.6 प्रतिशत अंक हासिल कर छठवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार का गौरव बढ़ाया।

स्कूल के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने बताया कि इस वर्ष 130 विद्यार्थी 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 13, 80त्न से अधिक अंक हासिल करने वाले छात्रों की संख्या 44 रही। वहीं कुल 101 विद्यार्थियों ने 60त्न से अधिक अंक हासिल किए। आपने बताया कि विद्यालय का कक्षा 10वीं का परिणाम शत प्रतिशत रहा।

विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, कड़ी मेहनत, सिद्धभाऊजी के मार्गदर्शन, माता-पिता के आशीर्वाद एवं विद्यालय के शिक्षकगणों को दिया।

छोटी-बड़ी खबरें

सीयूईटी यूजी परीक्षा आज, तीन पालियों में होगी परीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) यूजी 15 से 31 मई तक होगी। यह परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की जाएगी। इस साल एनटीए ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह के एग्जाम लेगा। परीक्षा के परिणाम 30 जून को घोषित किए जाएंगे। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी सहित प्रदेश के सभी पारंपरिक विश्वविद्यालयों में सीयूईटी के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। सीयूईटी के बाद खाली बची सीटों पर मैरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

एमसीयू में शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया, 31 मई तक कर सकेंगे आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार से प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने बताया कि विश्वविद्यालय पहली बार स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए सीयूईटी–यूजी में शामिल हुआ है। प्रवेश के लिए विद्यार्थी 31 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। स्नातक पाठ्यक्रम में 12 वीं के प्राप्त अंक का 70 प्रतिशत एवं साक्षात्कार का 30 प्रतिशत वैटेज दिया जाएगा। इसी तरह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भी स्नातक के प्राप्त अंक का 70 प्रतिशत एवं साक्षात्कार का 30 प्रतिशत वैटेज दिया जाएगा।

एक्सीलेंस स्कूल में एडमिशन के लिए चल रही प्रक्रिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के एक्सीलेंस स्कूल में प्रवेश के लिए प्रक्रिया चल रही है। कक्षा 11वीं में एडमिशन के लिए आवेदन जमा कराए गए हैं। राजधानी के बाकी सरकारी स्कूलों के मुकाबले यहां प्रवेश के लिए पहुंचने वालों की संख्या अधिक है। स्कूल प्राचार्य ने बताया कि ग्यारहवीं कक्षा में दसवीं के मुकाबले सीटों की संख्या अधिक है। ऐसे में अतिरिक्त सीटों पर दाखिला दिया जाता है। उसी के लिए आवेदन फार्म जमा कराए हैं। अब तक नब्बे प्रतिशत से अधिक अंक वालों के आवेदन ही लिए गए हैं। इसमें भी कटऑफ लिस्ट रहेगी।

आरजीपीवी की परीक्षाएं कल से शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) की सातवें और आठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 और पीजी की परीक्षाएं 18 मई से शुरू की जाएंगी। इन परीक्षाओं में आरजीपीवी से संबद्ध कॉलेजों में पढ़ने वाले 60 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो इसके लिए दो उडऩदस्ता टीमों का गठन किया गया है। चार सदस्यी टीमों में पूर्व आईपीएस एवं आईएएस अधिकारियों को शामिल किया गया है, जो परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। इसी के साथ सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की आदेश दिए हैं।

मतदाताओं की राय-मुख्य दलों की हरकतों ने ज्यादा हताश किया

कम वोटिंग पर सस्पेंस कायम, दलों का दलदल है जिम्मेदार!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र में लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग के बाद अब कम वोटिंग का शोर जोर पकड़ चुका है। मुख्य दल एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं तो दबी जुंबा में अफसर और कुछ लोग कह रहे हैं कि मतदाता ही बाहर नहीं निकले। मतदाताओं का तर्क है कि चुनाव में मुख्य दलों की भूमिका कई सीटों पर छिना–झपटी और आरोप–प्रत्यारोप वाली रही। ऐसे में मतदाताओं को कम वोटिंग के लिए जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं है। दल इस बात का विश्लेषण करे कि उन्होंने प्रत्याशियों के चयन में किस सीट पर क्या कमियां छोड़ी, उनके नेता उल-जुलूल बयानबाजी क्यों करते रहे। विदिशा, राजगढ़, गुना व भिंड जैसी सीटों पर वोटिंग पिछले साल के मुकाबले बढ़ी है। कुछ मतदाताओं का कहना है कि दलों को कम से कम इन सीटों का ही विश्लेषण करना चाहिए। रिकार्ड कम वोटिंग वाली खजुराहो, इंदौर व सीधी जैसी सीटों पर कमियों को देखना चाहिए।

डूबते जहाज में क्यों बैठेः यादव

मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने उत्तर प्रदेश के हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के महोबा जिले के चरखारी में भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के समर्थन में जनसभा ली। यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने भगवान श्रीराम और श्री कृष्ण को स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम में शामिल कर छात्रों को पढ़ा रही है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाई साहब को गठबंधन ही करना था तो डूबते जहाज में क्यों बैठे। जिन्होंने पूरी कांग्रेस को डुबा दिया, उनसे गठबंधन कर रहे हो, गठबंधन करना ही है तो चलती हुई गाडी से करो। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वैश्विक स्तर पर मान–सम्मान दिलाने का कार्य किया है। लिहाजा तीसरी प्रधानमंत्री बनाने के लिए हर बूथ पर कमल खिलाएं।

मतदाताओं ने याद रखा.... ?

राजनीतिक मामलों के जानकारों का भी मानना है कि कांग्रेस ने खजुराहो में प्रत्याशी उतारने की बजाए इंडी गठबंधन के तहत सपा को मौका दिया। सपा ने यहां से जिस प्रत्याशी को उतारा, उसका पर्चा निरस्त हो गया। इसका मतलब है कि कांग्रेस ने उक्त सीट को भगवान भरोसे छोड़ा और सपा को जो संवेदनशीलता दिखानी थी, वह नहीं दिखाई। वहीं इंदौर में वोटिंग के पहले भाजपा ने सरेआम कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम को पार्टी में शामिल कर लिया। पार्टी ने इसका प्रचार–प्रसार भी किया। ये दोनों घटनाक्रम यह समझने के लिए काफी है कि मतदाताओं को पार्टियां किस हिसाब से आंकती है। इन घटनाओं ने मतदाताओं को मतदान केंद्र से दूर रखा है। राजनीति में यह ट्रेंड नहीं बदला तो आगे वोटिंग से मतदाता और कतरा सकते हैं।

भाजपा के स्टार प्रचारक 'सरहद पार'

इन सभी के बीच चुनाव के बाकी तीन चरणों के लिये भाजपा हाइकमान ने मप्र के सीएम मोहन यादव और पूर्व सीएम शिवराज सिह चौहान को बंगाल, उप्र,दिल्ली में प्रचार की ड्यूटी पर लगा रखा है। शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में प्रचार के दौरान इंडी गठबंधन की नयी व्याख्या की। उन्होंने कहा कि, इंडी का मतलब I - Immature मतलब इनके नेता अपरिपक्व है। N - Nervous मतलब इंडी के नेता घबराए हुए है, कुछ भी बोल रहे है और आत्मविश्वास हिला हुआ है। D - Dangerous मतलब खतरनाक है, देश विरोधी और देश बाटने वाले बयान देते है। देश के लिए खतरा है ये।। से मतलब Ignorant , अनिभिज्ञ इंडी के नेताओं को मुद्दों की समझ नहीं है।, इनका जनता से सरोकार नहीं है। उन्होंने आप पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि, ये केजरीवाल नहीं करप्शनवाल बन गए हैं। इन्होंने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। ईमानदारी की सौगंध खाने वाला सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी निकला।

इन सीटों पर वोटिंग में रिकॉर्ड गिरावट

सीट	2019 चुनाव	2024 चुनाव	गिरावट प्रतिशत में
खजुराहो	68.28	56.96	11.32 गिरावट
सीधी	69.50	56.50	13.00 गिरावट
शहडोल	74.73	64.68	10.65 गिरावट
रीवा	60.33	49.42	10.91 गिरावट

इन सीटों पर टूटा वोटिंग का पिछला रिकॉर्ड

सीट	2019	2024	अंतर
विदिशा	71.79	74.48	2.69 बढ़ोतरी
राजगढ़	74.39	76.04	1.65 बढ़ोतरी
गुना	70.32	72.43	2.11 बढ़ोतरी
भिंड	54.42	54.93	0.51 बढ़ोतरी

गैस त्रासदी: मॉनिटरिंग कमेटी की रिपोर्ट पेश, अनुशंसाओं का नहीं हुआ पालन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गैस त्रासदी मामले से मॉनिटरिंग कमेटी द्वारा हाईकोर्ट में त्रैमासिक रिपोर्ट में बताया गया है कि अस्पताल में नियुक्ति सहित अन्य सिफारिशों का पालन नहीं किया गया हाईकोर्ट जस्टिस शील नागू तथा जस्टिस देव नारायण मिश्रा की युगलपीठ ने याचिका पर अगली सुनवाई तीन जुलाई को निर्धारित की है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने साल 2012 में भोपाल गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन सहित अन्य की ओर से दायर की गई याचिका की सुनवाई करते हुए भोपाल गैस पीड़ितों के उपचार व पुनर्वास के संबंध में 20 निर्देश जारी किये थे। इन बिंदुओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कर मॉनिटरिंग कमेटी का गठित करने के निर्देश भी जारी किये थे। मॉनिटरिंग कमेटी प्रत्येक तीन माह में अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट के समक्ष पेश करने तथा रिपोर्ट के आधार पर हाईकोर्ट द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के निर्देश भी जारी किये गये थे, जिसके बाद उक्त याचिका पर हाईकोर्ट द्वारा सुनवाई की जा रही थी। याचिका के लंबित रहने के दौरान मॉनिटरिंग कमेटी की अनुशंसाओं का परिपालन नहीं किये जाने के खिलाफ भी उक्त अवमानना याचिका 2015 में दायर की गयी थी।

युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान सहित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के अमर कुमार सिन्हा तथा विजय कुमार विश्वकर्मा को अवमानना का दोषी करार दिया है। इसके अलावा अन्य अनावेदकों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही के आदेश दिये थे। सरकार की तरफ से उक्त आदेश वापस लेने युगलपीठ के समक्ष आवेदन दायर किया था। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद आवेदन को स्वीकार करते हुए उक्त आदेश को रिकॉल करने के निर्देश जारी किये हैं। सुनवाई के दौरान मॉनिटरिंग कमेटी की तरफ से पेश रिपोर्ट में बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित बिंदुओं पर अनुशंसा के बावजूद परिपालन नहीं किया है। युगलपीठ ने मॉनिटरिंग कमेटी की रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेते हुए उक्त आदेश जारी किये। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने पैरवी की।

आरटीई की सीटों पर प्रवेश के लिए इस हफ्ते हो सकता है निर्णय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल सहित राजधानी के निजी स्कूलों में आरटीई की 28 हजार सीटों पर प्रवेश पर इस हफ्ते फैसला हो सकता है। आवेदन जमा हो चुके हैं लेकिन प्रवेश सूची अब तक जारी नहीं की गई। गरीब और वंचित वर्ग को निजी स्कूलों की 25 फीसदी सीटों पर निशुल्क प्रवेश दिया जाता है। पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद करीब 28 हजार सीटें खाली रह गई हैं। आरटीई के दूसरे चरण में 32 हजार बच्चों ने इन सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन किए हैं। ऐसे में नामों का चयन करने के लिए लॉटरी होगी। लेकिन बीच में सीबीएसई स्कूलों की याचिका के कारण इस पर रोक लग गई। याचिका 29 अप्रैल को सुनवाई थी। जिस पर कोई निर्णय नहीं हो पाया।

सिंधी साहित्य सभा कार्यक्रम 19 को: साहित्य, संगीत,लोक कला के साथ ही अब सोशल मीडिया श्रेणी में भी अवार्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा,नई दिल्ली का वार्षिक समारोह इस बार इंदौर में हो रहा है। यह कार्यक्रम 19 मई को होने जा रहा है। इंदौर की सिंधू मुहिंजी जीजल संस्था के सहयोग से कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होगी। साहित्य,रंगमंच, चित्रकला के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाली दस सिंधी भाषी विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी सभा के क्षेत्रीय सचिव साबू रीझवाणी ने दी। यह निरंतर दूसरा वर्ष है जब कार्यक्रम मध्यप्रदेश में हो रहा है। पूर्व वर्षों में यह कार्यक्रम मुंबई, दिल्ली, जयपुर और अहमदाबाद जैसे बड़े नगरों में ही होते रहे हैं। इस वर्ष साहित्य सभा ने नई श्रेणी सोशल मीडिया में भी अवार्ड देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश को इस वर्ष कुल 4 अवार्ड प्राप्त हो रहे हैं। गत वर्ष भी मध्य प्रदेश ने तीन अवार्ड प्राप्त किए थे। सिंधी साहित्य, पत्रकारिता ,मूर्ति कला, चित्रकला, संगीत ,गायन और नाटक के क्षेत्र में अनूठे कामों के लिए सभा सिंधी भाषी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक पुरस्कार प्रदान करती है। इस वर्ष पुरस्कार समारोह के साथ सिंधी लोक कथा गायन शैली ÷भगत÷ के सिंगर डांसर आर्टिस्ट लवि कमल भगत ,अजमेर की प्रस्तुति के साथ ही सिंधी हास्य नाटक मोबाइल की मार का मंचन इंदौर के नमोश तलरेजा और विनीता मोटलानी ड्रामा टीम द्वारा किया जाएगा।

मेट्रो एंकर | मप्र पुलिस को फिर हिदायत, हिदीं शब्दों का करें उपयोग

जरायम, खून आलूदा, इमदाद... अब कई शब्द होंगे पुलिस रजिस्टर से विदा!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र पुलिस अब नये शब्दों के साथ अपने कामकाज में नवीनता लाने वाली है। दरअसल पुलिस में लंबे समय से उर्दू व फारसी के ऐसे शब्द उपयोग हो रहे हैं जिनके अर्थ जटिल होते हैं। अब हिंदी शब्दों का उपयोग करने के निर्देश दिये गये हैं।
अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध अनुसंधान) पवन श्रीवास्तव ने प्रदेश की सभी जिला पुलिस इकाइयों को स्मरण पत्र भेजकर समस्त कार्यवाही में उर्दू-फारसी के शब्दों के स्थान पर हिंदी शब्दों के अधिक से अधिक उपयोग की अपेक्षा की है।
सभी पुलिस इकाईयों को लिखा गया है कि हिंदी के उपयुक्त शब्द उपलब्ध होने के बाद भी उर्दू-फारसी के शब्दों का उपयोग अधिक हो रहा है, जबकि शासन द्वारा दो वर्ष पहले ही अपेक्षा की गई थी कि हिंदी शब्दों का

प्रयोग अधिक हो। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने कार्यवाही में उपयोग होने वाले उर्दू, फारसी के 69 शब्दों की जगह सरल हिंदी के शब्द सुझाए थे। वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि उर्दू-फारसी की जगह पुलिस को हिंदी के सरल शब्दों का उपयोग करना चाहिए। इसके बाद गृह विभाग ने इस पर अमल के आदेश जारी किए थे, पर अधिकतर जगह पुलिस सुस्ती दिखा रही थी।

अंग्रजों के जमाने से चल रहे यह शब्द

दरअसल, पुलिस की भाषा में दफा, कैदखाना, जरायम, इत्तिला, इमदाद, खून आलुदा, मुचलका, खैरियत, ताजिराते हिंद आदि कई ऐसे उर्दू और फारसी के शब्द हैं, जिन्हें पुलिस प्राथमिकी से लेकर बयान और चालान तक में आज भी उपयोग करती है। पुलिस या पेशेवर लोग तो इसका अर्थ समझ लेते हैं, पर शिकायतकर्ता या आरोपित को इन शब्दों का अर्थ पता करने में पसीना आ जाता है।अंग्रेजों के जमाने से इन शब्दों का चलन है और इनके सरल हिंदी शब्द उपलब्ध होने के बाद भी पुलिस परंपरा को ढोती आ रही है।

संपादकीय

परेशान करने वाले मतदाता के अरमान

देश का आम चुनाव अपने चार चरण पार कर चुका है। मगर मतदान के आंकड़े कई चुनावी पंडितों को परेशान कर रहे हैं। इसके चलते हालिया चौथे चरण के दौरान जहां दस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में नजरें मतदान प्रतिशत के आंकड़े पर थी, वहीं आंध्र प्रदेश में चुनाव की पूर्वसंध्या पर हुए एक खास घटनाक्रम पर भी ध्यान अटका था। मामला कई क्षेत्रों में वोटरों के बीच धन वितरित किए जाने के आरोपों से जुड़ा था। हालांकि इस तरह के आरोप प्राय-हर चुनाव में देश के अलग-अलग हिस्सों से सुनने को मिलते हैं। लेकिन आंध्र प्रदेश का इस बार का मामला इस रूप में खास है कि इसमें मतदाताओं की अतिसक्रियता ने पोल खोल दी। कई इलाकों में लोगों ने पैसों की मांग करते हुए या पैसा बांटने में गड़बड़ी की शिकायत करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। यह मामला इस मायने में अभूतपूर्व कहा जा सकता है कि वोट के बदले कैश को अधिकार समझकर वोटरों ने इस मामले में हुई कथित वादाखिलाफी के खिलाफ सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन किया। कुछ लोगों की शिकायत थी कि कैश बांटते समय उन्हें छोड़ दिया गया तो कुछ अन्य मामलों में कैश का वादा नहीं निभाने का आरोप था। साफ है कि इसके पीछे राजनीतिक दलों की ओर से गरीब मतदाताओं को कैश देकर उनके वोट खरीदने का बरसों पुराना चलन है। एक भ्रष्ट चलन का चुनाव-दर-चुनाव बने रहना कानून व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों और चुनाव आयोग की नाकामी तो है ही, लेकिन मामला यहीं तक सीमित नहीं है। इससे यह भी पता चलता है कि हमारे इस लोकतांत्रिक राष्ट्र में मतदाताओं को जागरूक बनाने का काम कितने आधे-अधूरे ढंग से आगे बढ़ा है। एक बड़ा सवाल मतदाताओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति का भी है। जो मतदाता अपने वोट से पांच साल के लिए देश और राज्य के शासक चुनता है, वह इस अधिकार के इस्तेमाल की एवज में चाहता क्या है तो महज एक से छह हजार रुपये के बीच की कोई रकम ! इससे अगर वोट देने के अपने अधिकार को लेकर उसकी कमजोर समझ उजागर होती है तो यह भी स्पष्ट होता है कि उसकी अपनी जिंदगी के हालात कितने बुरे हैं। कैश वितरण की ये घटनाएं भले ही समाज के कमजोर माने जाने वाले हिस्सों की कहानी कहते हों, यह बीमारी अन्य कथित रूप से मजबूत माने जाने वाली हिस्सों में भी है। इसका उदाहरण भी आंध्र प्रदेश में ही मिल गया जब ये खबरें आईं कि कई पॉश माने जाने वाले अपार्टमेंट और गेटेड सोसायटी में कई प्रत्याशियों के पास वोट की एवज में जेनरेटर और सोलर पावर की फरमाइशें तक भिजवाई गईं। चुनाव के दौरान देशभर के साथ ही दक्षिणी राज्यों में नकदी पकडे जाने की कई खबरें भी आती रही हैं। यह नकदी बहुत बड़ी मात्रा में रही हैं। सवाल यह है कि जो पकडी जा चुकी हैं उसके अलावा जो नहीं पकडी गई,वह नकदी कितनी थी और कितनी बंट गई है ! यानि मतदाताओं ने भी समझ लिया है कि उनका वोट किस प्रवृति के लोगों को जाने वाला है और उम्मीदवार भी समझ गये है कि मतदाता की कमजोरी क्या है। यह दोनों ही स्थिति बेहद खतरनाक हैं, जैसे जैसे गिव एंड टेक जैसी इस प्रवृत्ति का विस्तार होता जाएगा,चुनाव की पवित्रता खत्म होती जाएगी। ऐसे में जो लोग चुनकर आएंगे उनसे किस तरह नैतिकता की उम्मीद की जाएगी।

बयानबाजी, अफवाहें और भय का सूचकांक

सूचनाओं की अधिकता से फोकस में हो रही कमी

दलगत राजनीति और पार्टी के भविष्य से अलग जैसी बयानबाजियां हो रही हैं, वे चुनाव प्रचार की गुणवत्ता के बारे में चिंता पैदा करती हैं भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है....

■ शंकर अय्यर

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अटकलों का बाजार गर्म है। बयानबाजी और अफवाहों की बाढ़ से विशेषज्ञ भी संदेह और घबराहट में हैं। पिछले बृहस्पतिवार को बेंचमार्क सेंसेक्स 1,000 अंकों से ज्यादा गिर गया और शेयर बाजार के भय का सूचकांक (भारत वीआईएक्स अस्थिरता सूचकांक) अप्रैल के बाद बढ़ गया और इस हफ्ते 19 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह ने निवेशकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि चार जून के बाद बाजार में तेजी आने वाली है।

यह घबराहट अपरिहार्य है। आंकड़ों पर निर्भर नागरिक, कॉरपोरेट दिग्गज और निवेश बैंकर अफवाहों और विरोधी टिप्पणियों पर बारीक नजर रखने के लिए स्पीड-डायलिंग और गूगल कर रहे हैं। लोकसभा सीटों की कई गणनाओं को लेकर बाजार चिंतित है। मुख्य रूप से ध्यान कर्नाटक, महाराष्ट्र और बिहार पर है, जहां 116 सीटों में से अकेले भाजपा ने पिछली बार 65 सीटें जीती थीं। क्या भाजपा इसे दोहरा सकती है? यदि इन राज्यों में पार्टी को नुकसान हुआ, तो क्या वह आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में उसकी भरपाई कर लेगी? कॉरपोरेट जगत बिहार की सीटों पर नीतीश के प्रभाव के असर को लेकर चर्चा कर रहा है। वे महाराष्ट्र में भाजपा की सीटों के नुकसान का आकलन कर रहे हैं। क्या उत्तर प्रदेश में जातीय गणित का फैलाव और अफवाहों का प्रसार वास्तविक है? वे गुजरात में संभावित नुकसान की सुगबुगाहट, राजस्थान में चार-पांच सीटों पर अनिश्चितता और दिल्ली में केजरीवाल के प्रभाव के बारे में भी जानना चाह रहे हैं। उन्हें इस बात को लेकर हैरानी हो रही है कि क्या कर्नाटक में मोदी की गारंटी पर कांग्रेस की गारंटी भारी पड़ रही है।

सितंबर, 2023 में एक वरिष्ठ निवेश बैंकर ने हवा में एक सवाल उछाला था कि क्या भाजपा के सत्ता में न लौटने का कोई खतरा है? पटना में विपक्षी गठबंधन बनने के बाद यह कठिन पहेली सामने आई थी। दस साल के शासन के खिलाफ सत्ता विरोधी रुझान हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन किसी रुझान के लिए यह बहुत जल्दबाजी थी। उसके कुछ महीने बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सारे संदेहों को खत्म करते हुए जीत हासिल की। फिलहाल भाजपा की अगुवाई में राजग की 2019 की जीत को याद करना उपयोगी होगा। राजग गठबंधन ने गुजरात की सभी 26, महाराष्ट्र की 48 में से 41, बिहार की 40 में से 39, कर्नाटक की 28 में से 25, राजस्थान की 25 में से 24, मध्य प्रदेश की 29 में से 28 और छत्तीसगढ़ की 11 सीटों में से नौ पर जीत हासिल की थी। मोदी के जादू ने 50 फीसदी से अधिक वोटों के साथ इन राज्यों में 2014 के 136 सीटों को 2019 में 224 कर दिया था और हिंदी पट्टी में जीत से उन महत्वपूर्ण 200 सीटों पर जीत की संभावना थी, जहां भाजपा का कांग्रेस

के साथ सीधा मुकाबला था। फरवरी 2024 में भाजपा ने अपने गढ़ में 'अबकी बार 400 पार' का नारा दिया था। इसके पीछे अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह था और समान नागरिक संहिता के वादे ने भाजपा के मूल मतदाताओं को सक्रिय कर दिया था। इसे कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थियों के एक बड़े जनाधार की नींव पर तैयार किया गया था और 2047 तक 'विकसित भारत' के वादे के अनुरूप बनाया गया था। निवेश-आधारित विकास पर ध्यान देने से शेयर बाजार के सूचकांक नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए, जिससे निवेशक समुदाय रोमांचित हो गया। लेकिन मई आते-आते सीटों में कमी की बातें होने लगीं। आखिर बीच के इन हफ्तों में ऐसा क्या बदलाव हुआ, जिसने नए सवालों को प्रेरित किया?

प्रचार अभियान की रणनीति में बदलाव को लेकर सट्टेबाजों और आम जनता में काफी हैरानी है। पहले चरण में कम मतदान की आशंका के बाद भाजपा ने पहचान की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके चलते बड़े पैमाने पर ध्रुवीकरण हुआ है। केजरीवाल ने अपने प्रचार अभियान के दौरान उत्तराधिकारी के सवाल को उछाल दिया, जिस पर सुगबुगाहट जारी है। संघ परिवार के साथ भी मतभेद की बातें बार-बार उठ रही हैं। यह धारणा भी विवादास्पद है कि मोदी सरकार ने आरएसएस की प्रमुख आकांक्षाओं को पूरा किया है। सट्टेबाजों, सर्वेक्षणकर्ताओं और सियासी पंडितों? के बीच बहस यह है कि क्या कहानी और रणनीति में बदलाव भाजपा के मूल मतदाताओं को मजबूत करेगा और/या इधर-उधर डोलने वाले मतदाताओं को भाजपा से अलग कर देगा। यकीनन इन लोगों के सवाल मतदान के इरादे के बारे में कम और बाजार की स्थिति के बारे में ज्यादा हैं। निश्चित रूप से अभी तक किसी ने किसी बड़े उलटफेर की भविष्यवाणी नहीं की है। सबसे खराब स्थिति की परिकल्पना यह है कि लोकसभा चुनाव का नतीजा 2014 की सीटों के करीब होगा।

हालांकि इससे इन्कार नहीं किया जा सकता है कि तेज हमले समर्थकों और विरोधियों के बीच भाजपा के कमजोर पड़ने की धारणा तैयार कर रहे हैं। दलगत राजनीति और पार्टी के भविष्य से अलग जैसी बयानबाजियां हो रही हैं, वे चुनाव प्रचार की गुणवत्ता के बारे में चिंता पैदा करती हैं। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में 96 करोड़ से ज्यादा मतदाता अपनी पसंद की सरकार चुनने के पात्र हैं। इनमें से 1.8 करोड़ लोग पहली बार मतदान कर रहे हैं, जो अपने भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण तलाश रहे हैं। कल ही चौथे चरण के तहत 96 लोकसभा सीटों के लिए मतदान संपन्न हुआ है। इससे पहले 285 निर्वाचन क्षेत्रों में पहले ही मतदान हो चुके हैं। सैद्धांतिक रूप से चुनाव प्रचार प्रतिस्पर्धी बाध्यताओं और विरोधी संकटों की दुविधा के समाधान के बारे में होता है। इसके बजाय सभी पार्टियां प्रचार के दौरान दावे-प्रतिदावे और खुलासे-खंडन कर रही हैं। नारों के शोर ने मतदाताओं का उत्साह बढ़ाने में शायद ही मदद की हो।

नोबेलजयी हर्बर्ट साइमन ने एक बार कहा था कि सूचनाओं की अधिकता फोकस की कमी पैदा करती है। साइमन द्वारा प्रतिपादित इस सिद्धांत (अधूरी जानकारी का प्रभाव और परिणामों पर प्रभाव) की उत्पत्ति सार्वजनिक नीति निर्माण से हुई थी और यह नियम चुनाव प्रचार पर भी लागू होता है। इस बार चुनाव प्रचार की गुणवत्ता और बहस की प्रकृति ने मतदाताओं को हैरान कर दिया है, जिसमें उन्हें उनकी ही पसंद बताई जा रही है।

- साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

हम सभी की पहचान बड़े लोगों से नहीं, वक्त पर साथ देने वालों से होनी चाहिए

आज का इतिहास

- 1602 अंग्रेजी अन्वेषक बार्थोलोमेव गोस्नोल्ड ने पहले दर्ज किए गए यूरोपीयन अभियान का नेतृत्व किया, जो वर्तमान मैसाचुसेट्स में केप कॉड की यात्रा करता था।
- 1610 पेरिस की संसद ने लुई तेरहवें को फ्रांस का राजा नियुक्त किया।
- 1701 स्पेनिश युद्ध उत्तराधिकार के लिए शुरू हुआ।
- 1718 जेम्स पक्ले जो की एक लंदन के वकील थे, दुनिया की पहली मशीन गन बनाया।
- 1730 रॉबर्ट वाल्पोल प्रभावी रूप से ब्रिटेन के प्रथम प्रधानमंत्री बनाये
- 1788 ऑस्ट्रेलियाई सीमावर्ती युद्ध शुरू हुए।
- 1793 इन्वर्टर के 'पितामह' आविष्कारक डिएगो मारिन एगुइलेरा ने लगभग 360 मीटर पहले ग्लाइडर्स में से एक को उड़ाया।
- 1811 पराग्वे ने स्पेन से स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1829 डेमियन साइरिल द्वारा एस्त्रियन नामक एक उपकरण के लिए पेटेंट लागू किया गया।
- 1836 अंग्रेजी खगोलशास्त्री फ्रांसिस बेली ने पहली बार बेली के मोतियों का अवलोकन किया, एक सूर्य ग्रहण के दौरान की घटना जिसमें ऊबड़-खाबड़ चंद्र अंग स्थलाकृति सूर्य के प्रकाश की मोतियों के माध्यम से चमकने की अनुमति देती है।
- 1851 पहली ऑस्ट्रेलियाई गोल्ड रश की घोषणा की गई, हालांकि खोज तीन महीने पहले की गई थी।
- 1858 रॉयल इटालियन ओपेरा कोवेन्ट गार्डन लंदन में खोला गया।
- 1864 अमेरिकी गृहयुद्ध-एक छोटी संघटित शक्ति, जिसमें वर्जीनिया सैन्य संस्थान से शामिल थे, ने शनैन्डो घाटी के बाहर केंद्रीय सेना को मजबूर कर दिया।
- 1869 सुसान बी। एंथनी और एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन ने नेशनल वुमन सफ़रेज एसोसिएशन की स्थापना की, जो अमेरिकी समान अधिकार एसोसिएशन से अलग हो गई थी जिसे उन्होंने पहले भी स्थापित किया था।
- 1878 टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना की गयी।
- 1891 पोप लियो ने विश्वकोशीय ररम नोवेरम जारी किया, जिसमें मजदूर वर्गों की दशा थी और इसे आधुनिक कैथोलिक सामाजिक शिक्षण की नींव रखने के लिए माना जाता है।
- 1891 फिलिप्स एंड कंपनी को हॉलैंड में स्थापित किया गया।
- 1905 लॉस वेगास (साल्ट लेक लेक रेलरोड) के स्वामित्व वाले 110 एकड़ (0.45 किमी 2) के बाद लास वेगास रेलरोड के रूप में स्थापित किया गया था।
- 1916 जेसी वाशिंगटन, एक किशोर अफ्रीकी-अमेरिकी फार्महैंड, वाको, टेक्सास, यूएस में रंजित था, जो नस्लीय प्रेरित लिंचिंग का एक प्रसिद्ध उदाहरण बन गया।
- 1918 अमेरिका में पहली हवाई डाक सेवा की शुरुआत।

आज का कार्टून

माधव जोशी

पश्चिमी देश मुक्त नहीं हुए नस्लवाद से

■ चेतनादित्य आलोक

दुनिया के तमाम विकसित देश विशेषकर अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन आदि इस बात का शोर मचाते नहीं थकते कि वे सभ्य देश हैं और दुनियाभर में यदि लोकतंत्र एवं मानवाधिकार सुरक्षित हैं तो केवल उनके ही कारण और वे ही हैं जो लोकतंत्र की गरिमा, शुचिता और इसका व्यावहारिक पक्ष सुरक्षित रखे हुए हैं। लेकिन हकीकत यह है कि इन देशों में ही निर्दोष एवं मासूम विदेशी नागरिकों के साथ जिस प्रकार के व्यवहार किए जाते हैं, वे इन्हें असभ्य, नस्लवादी, रूढ़ एवं असहिष्णु समाजों की सूची में शामिल किए जाने के लिए पर्याप्त प्रतीत होते हैं।इस संदर्भ में सबसे पहले चर्चा विदेश पढ़ाई करने जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों की, क्योंकि इस वर्ष जनवरी से मार्च तक ही केवल अमेरिका में लगभग एक दर्जन भारतीय विद्यार्थियों की हत्या कर दी गई अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। भारतीय विद्यार्थियों की हत्या के ये आंकड़े चौंकाते तो हैं ही, भयभीत भी करते हैं, क्योंकि ये आंकड़े अमेरिका में नस्लवाद के नए संस्करण के फैलाव के सबूत हैं और बाइडेन प्रशासन के भारत के प्रति उपेक्षात्मक एवं नकारात्मक रवैये का संकेत भी।

यह स्थिति तब है, जबकि भारतीय विद्यार्थियों के संबंध में दुनियाभर में प्रचलित है कि ये बेहद शालीन, विनम्र और अपनी पढ़ाई-लिखाई से वास्ता रखने वाले होते हैं। ये कभी भी बेवजह सरकार विरोधी अथवा स्थानीय संस्कृति और सभ्यता के विरोध में किसी प्रकार के आंदोलन आदि में भाग नहीं लेते। वे मित्र देश का किसी भी प्रकार से विरोध, अपमान या अहित नहीं करते हैं।हालांकि, कारोबारी जगत की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में भारतीय प्रोफेशनलों के प्रमुखता से उभरने के कारण दुनियाभर में भारतीय प्रोफेशनलों की मांग दिनोदिन बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत से विदेश जाकर शिक्षा प्राप्त करने और वहीं बस जाने का क्रेज भी बड़ा है। वैसे देखा जाए तो पश्चिमी देशों का नस्लभेदी रवैया बहुत पुराना है और यह केवल भारतीय विद्यार्थियों तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि इन विकसित देशों ने तो अपने असभ्य, नस्लवादी, रूढ़िवादी एवं असहिष्णु आचरण का शिकार अनेक भारतीय कलाकारों, खिलाड़ियों एवं अन्य प्रोफेशनलों समेत कई बड़े और विख्यात लोगों को भी बनाया है। याद कीजिए, 1893 में दक्षिण अफ्रीका में रेल यात्रा करते समय एक रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी के विरुद्ध अंग्रेज सहयात्री द्वारा किए गए क्रूर नस्लभेदी व्यवहार को जिससे प्रेरणा लेकर गांधी जी ने नस्लभेद तथा रंगभेद के खिलाफ संघर्ष शुरू किया था।

हाल के वर्षों में भी योजनाबद्ध तरीके से सिलसिलेवार अंजाम दी गई अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन समेत कई पश्चिमी देशों में हिंदुओं के धर्मस्थलों पर पत्थरबाजी, मारपीट, लूटपाट एवं आगजनी की घटनाओं को भला कौन भुला सकता है, जिसकी दहशत आज भी वहां के भारतवंशियों के मन में विद्यमान है। इसी प्रकार लंदन में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ कार सवार युवकों द्वारा भारतीय अभिनेता जॉन अब्राहम और अभिनेत्री बिपाशा बसु के रंग और भारत के बारे में घटिया टिप्पणियां करना, 2008 में ब्रिटेन के एक रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' में कंटेस्टेंट जेड गुडी द्वारा बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी पर रंगभेदी टिप्पणी करना, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को अमेरिका में पड़ाई के दौरान सांवले रंग की वजह से 'ब्राउनी' कहकर चिड़ाया जाना, नस्लभेद की वजह से प्रियंका को हॉलीवुड की एक फिल्म में कार्य करने से वंचित कर देना और रूस-यूक्रेन युद्ध के आरंभ में पूर्वी यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों का नस्लभेदी व्यवहारों का शिकार होना आदि पश्चिमी देशों के क्रूर नस्लभेदी व्यवहारों के कुछ प्रमुख उदाहरण हैं।

वहीं, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए एक टेस्ट के दौरान दो खिलाड़ियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को दर्शकों द्वारा 'ब्राउन डॉग' कहकर संबोधित किया जाना तथा पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा पर इंग्लैंड में लोग क्रिकेट के दौरान रंग के आधार पर अपमानजनक टिप्पणियां करना भी इसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

- साभार: यह लेखक के विचार हैं।

निशाना

सरेआम हाथापाई !

- कृष्णेन्द्र राय

मारपीट हो रही ।
माननीय आवास ।।
सरेआम हाथापाई ।
थीं उनकी वो ख़ास ।।
है मर्यादा तार तार ।
नैतिकता दुहाई ।।
कट्टर इमानदार पर ।
ऐसी नौबत आई ?
चाल और चरित्र तो ।
पहले से उजागर ।।
पर ये तो घटनाएं मात्र ।
हैं गागर में सागर ।।
पर ऐसी ये कार्यशैली ।
पकड़ रही रफ़्तार ।।
आम आदमी का केवल ।
बचा यही अधिकार ।।

अपने कार्य को केवल नौकरी ना समझे इसे मानव सेवा के रूप में करें: कलेक्टर

अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिला प्रशिक्षण केंद्र नर्मदापुरम में मध्यप्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ नर्मदापुरम द्वारा कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना के मुख्य आतिथ्य में अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश दहलवार ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ नर्स फ्लोरेंस नाइटिंगेल के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। सिस्टर फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जीवनी पर कार्यक्रम प्रभारी मध्यप्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ नर्मदापुरम के गणेश उपरारिया द्वारा प्रकाश डाला गया। कार्यकम में कलेक्टर द्वारा सभी वार्ड प्रभारी नर्स को सम्मान स्वरूप उपहार दिया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि अपने कार्य को केवल नौकरी ना समझे इसे मानव सेवा के रूप में करें और अपने कार्य को और अच्छा करने का प्रयास करें क्योंकि डॉक्टर और नर्स दो ऐसे लोग है जिन्हे व्यक्ति जीवंतपर्यंत याद रखता है। कार्यक्रम में नर्सिंग ऑफीसर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये, सचिव मप्र स्वास्थ्य कर्मचारी संघ अमित परसाई द्वारा संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में जिले के समस्त संगठनों के पदाधिकारी अध्यक्ष संयुक्त स्वास्थ्य कर्मचारी मोर्चा नर्मदापुरम पं. रविशंकर दुबे, मध्यप्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष प्रवीण पटैल, जिला अध्यक्ष दिनेश हॉडा, सचिव अमित परसाई, कोषाध्यक्ष अमित डेहरिया, कार्यक्रम प्रभारी गणेश उपरारिया, विवेक पटवा, प्रकाश डेहरिया, संजीव दुबे, सतीश पटेल, पंकज सोनकिया, शंकर कीर, अनामिका वर्मा आदि कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार चिकित्सालय की सीनियर नर्सिंग ऑफीसर दुलारी डेहरिया द्वारा व्यक्त किया गया। जिले में समस्त तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर तहसील एवं ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पेयजल संबंधी समस्याओं के लिए जिला स्तर पर संचालित है कंट्रोल रूम

रायसेन। जिले के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में ग्रीष्म ऋतु में नागरिकों को सुचारू रूप से पेयजल वितरण सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टरअरविंद दुबे द्वारा ई-पीएचई सहित अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पेयजल संबंधी समस्याओं की सूचना प्राप्ति और त्वरित समाधान के लिए कलेक्टर श्री दुबे के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट भवन में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम संचालित है, जिसका सम्पर्क नम्बर 9329305437 है। कंट्रोल रूम में शिकायत पंजी संधारित कर प्राप्त शिकायतों को उसमें दर्ज कराते हुए निराकरण हेतु संबंधितों को अवगत कराया जाता है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री दुबे द्वारा हैण्डपम्प खराब होने या पाइप बढ़ाने संबंधी शिकायतों का 24 घण्टे में तथा ट्यूबवेल में मोटर डालने संबंधी शिकायतों का दो दिवस के भीतर निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पेयजल संबंधी अन्य शिकायतों का भी शीघ्र निराकरण कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

आईटीआई में प्रवेश के लिये ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

रायसेन। मध्यप्रदेश की समस्त शासकीय तथा अशासकीय आईटीआई में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी इंटरनेट के माध्यम से अपने स्तर अथवा ऑनलाईन सहायता केन्द्रों के माध्यम से विभाग के पोर्टल www.dsd.mp.gov.in पर 20 मई 2024 तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। आईटीआई में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। समस्त इच्छुक आवेदक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अवश्य करें। रायसेन जिले की 06 शासकीय आईटीआई रायसेन, मंडीदीप, देवरी, गैरतगंज, बेगमगंज एवं सिलवानी में विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदाय किया जाता है। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी ष्ठस्ष्ठ पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिये नजदीकी आईटीआई में संपर्क किया जा सकता है।

दसवीं में सक्षम शर्मा आए प्रथम

सिवनी मालव। सक्षम शर्मा पिता संतोष शर्मा जो नर्मदा वैली अकैडमी सिवनी मालवा स्कूल के छात्र हैं जिन्होने कक्षा 10 वीं में 93त्नअंक प्राप्त कर अपने विद्यालय सहित परिवार और नगर का नाम गौरवान्वित किया। उनकी इस उपलब्धि पर स्टेट बैंक कॉलोनी सहित उनके शुभचिंतको ने उन्हें बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।

उप संचालक कृषि ने कहा- किसान भाई उर्वरकों का अग्रिम उठाव कर संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जारी अनुशंसा के अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करें: हेडाऊ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। मौसम वैज्ञानिकों द्वारा आगामी खरीफ मौसम में मानसून का निर्धारित समय पर आने तथा सामान्य वर्षा होने के पूर्वानुमान को देखते हुए किसान भाई खेती हेतु प्रमुख आवश्यक आदान अर्थात उर्वरको का जिले के डबल लॉक केंद्रों व निजी उर्वरक विक्रेताओं से अपनी आवश्यकतानुसार बोवाई के पूर्व ही उठाव करे, ताकि उर्वरकों के अग्रिम उठाव से बोवाई के समय कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

खरीफ मौसम के लिए जिले में कुल 62,000 मे.टन यूरिया, 45000 मे.टन डीएपी की आवश्यकता है, वर्तमान समय में जिले में निजी विक्रेताओं तथा डबल लॉक केन्द्रों व सहकारी समितियों में कुल 30500 मी.टन यूरिया तथा 15510 मी.टन डीएपी उपलब्ध है। यूरिया (45 किलोग्राम) 266.50 रुपये प्रति बैग, डीएपी 1350 रूपये प्रति बैग तथा म्यूरेट ऑफ पोटाश 1625 रुपये प्रति बैग है। जिले के डबल लॉक केंद्र नर्मदापुरम में 1311 मे.टन यूरिया, 593 मे.टन डी.ए.पी., 132 मे.टन काम्प्लेक्स, डबल लॉक केंद्र इटारसी में 3598 गे.टन यूरिया, 1777 मे.टन डी.ए.पी., 199 मे.टन कॉम्प्लेक्स, डबल लॉक केंद्र बाबई गे 1417 मे.टन यूरिया, 1302 मे.टन डी.ए.पी, 51 मे.टन काम्प्लेक्स, डबल लॉक केंद्र सेमरीहरचंद में 2548 मे.टन यूरिया, 1127 मे.टन डी.ए.पी. 190 मे.टन काम्प्लेक्स, डबल लॉक केंद्र पिपरिया में 3037 मे.टन यूरिया, 301 मे.टन डी.ए.पी., 120 मे.टन कॉम्प्लेक्स तथा डबल लॉक केंद्र बानापुरा में 2213 मे.टन यूरिया, 1987 मे.टन डी.ए.पी., 588 मे. टन काम्प्लेक्स उर्वरक उपलब्ध है।

किसान भाई संतुलित मात्रा में अर्थात नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाश का कृषि वैज्ञानिक द्वारा जारी अनुशंसा अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करें, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति को संरक्षित रखते हुए उर्वरकों पर होने वाले अनावश्यक व्यय को कम किया जा सके। कृषि वैज्ञानिकों की अनुशंसा अनुसार धान की फसल में प्रति हेक्टेयर 130 कि.ग्रा. डी.ए.पी. 210 कि.ग्रा. यूरिया तथा 70 कि.ग्रा. म्यूरेट आफ पोटाश, मक्का में 110 कि.ग्रा. डी.ए.पी. 220 कि.ग्रा. यूरिया, 70 कि.ग्रा. म्यूरेट आफ पोटाश जबकि सोयाबीन की फसल में प्रति हेक्टेयर 130-150 कि.ग्रा. डी.ए.पी. तथा 35 कि.ग्रा./हेक्टेयर म्यूरेट आफ पोटाश का प्रयोग करना लाभकारी होता है।

वहीं किसान भाई खरीफ मौसम में बोई जाने वाली सभी फसलों में उर्वरको के प्रयोग करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि नत्रजन की आधी मात्रा, फॉस्फोरस व पोटाश की संपूर्ण मात्रा खेत की तैयारी करते समय अंतिम जुताई के समय प्रयोग करे तथा शेष नत्रजन की आधी मात्रा को दो भागों में बांटकर प्रयोग करे, जिससे उर्वरको की उपयोग दक्षता को बढ़ाया जा सके। इसी क्रम में किसान भाई धान की फसल में नील हरित शैवाल तथा मक्का में एजोटोवेक्टर का प्रयोग करे, वहीं फॉरफोरस भारी उर्वरकों की दक्षता बढ़ाने के लिए सभी प्रकार की फसलों में पीएसबी, (फॉस्फोरस, सोल्यूबिलाइजिंग बैक्टीरिया) का प्रयोग करे।

जिले में लगभग 284000 हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग फसल की बोवाई हुई है। किसान भाई ग्रीष्मकालीन मूंग की कटाई के उपरांत सर्वप्रथम धान के लिये जितने क्षेत्र में रोपा तैयार करने हेतु नर्सरी स्थापित करेंगे, पहले उसे तैयार करे, इसके बाद ही शेष बचे संपूर्ण खेत की तैयारी करे, जिन क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन मूंग की कटाई देरी से होने की संभावना है तथा किसान भाई धान की सीधी बोवाई सीडड्रिल के माध्यम से करना चाहते है वे पी.बी.-1718, पी.बी.-1509 इत्यादि किस्मों पर चयन कर सीधी बोवाई कर सकते है।

निशुल्क ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण का पिपरिया में किया शुभारंभ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार ग्रीष्मकालीन निशुल्क खेल प्रशिक्षण का शुभारंभ शासकीय सी एम राइज आर एन ए स्कूल खेल मैदान पिपरिया में किया गया। फुटबॉल, हैंडबॉल एवं ताइक्वांडो खेल का प्रशिक्षण 13 मई 2024 से निरंतर दिया जा रहा है जो कुल 30 दिवस तक दिया जाएगा। प्रशिक्षण में 8 वर्ष से 19 वर्ष तक के खिलाड़ी बालक बालिका भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण सुबह 7ः00 बजे से 9ः00 बजे तक एवं शाम को 5ः00 बजे से 7ः00 बजे तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। फुटबॉल खेल का प्रशिक्षण शासकीय आर एन ए स्कूल खेल मैदान पर एवं हैंडबॉल, ताइक्वांडो खेल का प्रशिक्षण शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में

खिलाड़ियों को खेल की बारीकियां की जानकारी देकर खेल कौशल में सुधार किया जायेगा। कार्यक्रम में अतिथि सी एम राइज स्कूल प्राचार्य संजीव दुबे, बी आर सी प्रदीप कुमार शर्मा ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विकासखंड खेल प्रभारी अरविंद शर्मा शिक्षक ज्ञानेंद्र हरदेनिया, खेल एवं युवा कल्याण विभाग समन्वयक प्रीतम सिंह पुर्विया, कोच सचिन पुर्विया उपस्थित रहे।

जिला व विकासखण्ड स्तरीय छात्रावासों में कोचिंग कार्य हेतु 15 जून तक कर सकते हैं आवेदन

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय बालक एवं कन्या उत्कृष्ट छात्रावासों में वर्ष 2024-25 कोचिंग कार्य के लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के आवेदन जिला कार्यालय जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग रायसेन में आमंत्रित किए गए हैं। जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि जिला एवं विकासखण्ड कन्या/बालक उत्कृष्ट महाविद्यालय, अनुसूचित जाति/जनजाति/छात्रावासों में वर्ष 2024-25 में कोचिंग कार्य के लिए निर्धारित विषयों के विशेषज्ञ जो 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हो, वह अपने आवेदन कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालय जनजातीय कार्य विभाग रायसेन के कक्ष क्रमांक-52 में जमा कर सकते हैं।

जिला एवं विकासखण्ड महाविद्यालय छात्रावासों में अंग्रेजी कोचिंग के लिए स्नातक, स्नाकोत्तर उत्तीर्ण शिक्षक एवं उत्कृष्ट संस्थानों में कम्प्यूटर कोचिंग हेतु पीजीडीसीए एवं उच्च परीक्षा उत्तीर्ण प्रशिक्षक अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। शासकीय एवं अशासकीय/प्राईवेट शिक्षक कोचिंग कार्य हेतु अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। जिन्हें जिला कार्यालय एवं जिला स्तरीय गठित समिति के सदस्य द्वारा चयन उपरांत नजदीकी संस्थाओं में अध्ययन कार्य कराने हेतु आदेश प्रदाय किया जाएगा।

जिला एवं विकासखण्ड बालक/कन्या उत्कृष्ट छात्रावास में कक्षा 11वीं तथा 12वीं में रसायन, भौतिकशास्त्र, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए प्रथम श्रेणी स्नाकोत्तर उत्तीर्ण शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। जिला एवं विकासखण्ड बालक/कन्या उत्कृट छात्रावास में कक्षा 9वीं एवं 10वीं में विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए स्नातक परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। जिला तथा विकासखण्ड बालक/कन्या महाविद्यालय छात्रावासों में अंग्रेजी विषय की स्नातक तथा स्नाकोत्तर कक्षाएं अंग्रेजी विषय के लिए एम अंग्रेजी प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। जिला संयोजक ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार अनुसूचित जाति बालक/कन्या उत्कृष्ट संस्थाओं में प्रत्येक विषय के कालखण्ड का कोचिंग मानदेय 300 रू एवं महाविद्यालयीन संस्थाओं में 200 रू का भुगतान किया जाएगा।

मेट्रो एंकर | लोकसभा चुनाव 2024: स्ट्रांग रूम निगरानी के लिए दल गठित

स्ट्रांग रूम की निगरानी हो रही सीसीटीवी कैमरों से

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव 2024 अंतर्गत 26 अप्रैल 2024 को मतदान संपन्न होने के उपरांत जिले की चारों विधानसभा खंड क्रमांक 136 सिवनी मालवा 137 होशंगाबाद 138 सोहागपुर एवं 139 पिपरिया के मतदान दलों की सामग्री शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम में स्थापित स्ट्रांग रूम के नियंत्रण कक्ष में 24 घंटे सक्रिय निगरानी के अंदर रखी हुई है। स्ट्रांग रूम की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जा रही है। नियंत्रण कक्ष एवं स्ट्रांग रूम में स्थापित सीसीटीवी कैमरा की स्क्रीन की सतत निगरानी किए जाने के लिए मतगणना दिनांक तक तीन दलों की ड्यूटी लगाई गई है।

दल क्रमांक 1 में विकासखंड शिक्षा अधिकारी उदयभान ठाकुर, सहायक प्राध्यापक शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय नर्मदापुरम प्रेमकांत कटंगकार, प्रशिक्षण अधिकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम जनिक मरकाम, प्रशिक्षण अधिकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अनिल देशमुख, सीसीटीव्ही सर्विस वेण्डर द्वारा नियुक्त रविशंकर मीना, भृत्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम अनिल गेहरा, प्राध्यापक, शा.गृ.वि.महा.वि नर्मदापुरम श्रीकांत दुबे की ड्यूटी लगाई जाती है। उपरोक्त दल कर्मचारी 15 मई 2024 से 21 मई 2024 तक प्रातः 08 बजे दोपहर 04 बजे तक। इसी प्रकार 22 मई 2024 से 28 मई 2024 तक रात्रि 12 बजे से प्रातः 08 बजे तक एवं 29 मई 2024 से 04 जून 2024 तक दोपहर 04 बजे से रात्रि 12 बजे तक ड्यूटी करेंगे।

दल क्रमांक 02 में सहायक यंत्री, जनपद पंचायत,

फाईल फोटो

नर्मदापुरम राकेश शर्मा, शा.नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम के सुनील कुमार दिवाकर, प्रशिक्षण अधिकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम अशोक उईके, प्रशिक्षण अधिकारी, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नर्मदापुरम नदीम अहमद, सीसीटीव्ही सर्विस सेमरी वेण्डर द्वारा नियुक्त रामस्वरूप कुशवाह, भृत्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम अशोक केवट, प्राध्यापक शा.गृ.वि.महा.वि नर्मदापुरम विनीत अग्रवाल की ड्यूटी लगाई जाती है। उपरोक्त दल कर्मचारी 15 मई 2024 से 21 मई 2024 तक दोपहर 04 बजे से रात्रि 12 बजे तक। इसी प्रकार 22 मई 2024 से 28 मई 2024 तक प्रातः 08 बजे से दोपहर 04 बजे तक एवं 29 मई 2024 से 04 जून 2024 तक रात्रि 12 बजे से प्रातः 08 बजे तक ड्यूटी करेंगे।

दल क्रमांक 03 में सहायक यंत्री, कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम हरिप्रसाद बिलथरे, सहायक प्राध्यापक शा0 नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम डॉ महेश मानकर, प्रशिक्षण अधिकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम अरुण गौर, प्रशिक्षण अधिकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम संजय टेकाम, सीसीटीव्ही सर्विस सेमरी वेण्डर द्वारा नियुक्त दिलीप कुमार कुशवाहा, भृत्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम चितरंजन जाट, प्राध्यापक शा नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम डॉ. कमल वाधवा की ड्यूटी लगाई जाती है। उपरोक्त दल कर्मचारी 15 मई 2024 से 21 मई 2024 तक रात्रि 12 बजे से प्रातः 08 बजे तक। इसी प्रकार 22 मई 2024 से 28 मई 2024 तक दोपहर 04 बजे से रात्रि 12 बजे तक एवं 29 मई 2024 से 04 जून 2024 तक प्रातः 08 बजे से दोपहर 04 बजे तक ड्यूटी करेंगे।

अवैध कब्जे को लेकर तहसील वक्फ कमेटी द्वारा एसडीएम को दिया आवेदन

सिरोंज। तहसील वक्फ कमेटी के अध्यक्ष वाजिद कुरैशी के नेतृत्व में तहसील कार्यालय पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी के नाम एक आवेदन पत्र सोपा गया जिसमें उल्लेख किया गया है कि मंडी बाईपास रोड हाजीपुर वार्ड क्रमांक 2 बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने स्थित कब्रिस्तान एवं शासकीय भूमि पर रानू शर्मा द्वारा अवैध रूप से दुकानों का निर्माण कर लिया गया है और कब्रिस्तान पर मुरम कोपरा डालकर कबरों को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है मिली जानकारी के अनुसार उक्त दुकानों के निर्माण के संबंध में नगर पालिका एवं राजस्व विभाग से किसी भी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली गई । तहसील सिरोंज वक्फ कमेटी द्वारा आवेदन पत्र में अनुविभागीय अधिकारी से निवेदन किया गया है कि उक्त मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध दुकानों को तोड़े जाने की मांग की गई है।

मंडी बाईपास रोड पर पलटा ऑटो बड़ी दुर्घटना टली

सिरोंज। मंगलवार को शाम के समय मंडी बाईपास रोड अंबेडकर भवन के सामने ऑटो पलटा गनीमत रही कि सामने से कोई वाहन नहीं आ रहा था नहीं तो बड़ी घटना भी घटित हो सकती थी । वहीं अधिकांश ऑटो चालकों के द्वारा तेज गति से वाहनों को दौड़ी जाता है इस वजह से कई बार यहां पलट जाते हैं फिर भी इनके द्वारा सुरक्षा के साथ वाहनों को नहीं चलाया जा रहा है। इसके बाद आसपास के लोगों ने मदद करके ऑटो को सीधा करवाया ।

मौसम में हुआ बदलाव हुई बारिश मौसम सुहाना

सिरोंज। मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादलों की लुका छुपी का दौर चल रहा था । शाम के समय आसमान पर काले बादलों ने डेरा जमा लिया तेज हवाओं के साथ हल्की और तेज बारिश का दौर प्रारंभ हो गया देर शाम को तो काफी देर तक अच्छी बारिश होने से मौसम में ठंडक घुल गई जहां सुबह से लेकर शाम तक लोग गर्मी के कारण परेशान हो रहे थे । बारिश होने के बाद तापमान में गिरावट दर्ज होने से लोगों को गर्मी से निजात मिल गई । सोमवार की रात्रि में भी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने होने से ग्रामीण क्षेत्रों में भी रहने वाले लोगों को गर्मी से राहत मिली।

मुरम का उत्खनन करने पर एसडीएम ने दो डंपर, एक जेसीबी को किया जप्त

एसडीएम की कार्रवाई से भू-माफियों में मचा हड़कंप, उत्खननकारियों का कारनामा नाम एक हजार घन मीटर की परमिशन 8 हजार घन मीटर से अधिक में की खुदाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मंगलवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने उत्खनन करने वालों पर चोट करते हुए दो डंपर और एक पोकलेन मशीन को जब तक करने की कार्रवाई की तो भू माफियाओं में हड़कंप मच गया। दोपहर में एसडीएम ने आरोन रोड बायपास पर एक डंपर को मुरम ले जाते हुए सड़क किनारे खड़ा करके दस्तावेज मांगे तो ड्राइवर कोई दस्तावेज नहीं दे पाया इसके बाद एसडीएम ने पुलिस और चौकीदार की सहायता से इस डंपर को तहसील कार्यालय भिजवाए। डंपर पर कार्रवाई करने के बाद एसडीएम यही नहीं रुके उन्होंने बाईपास से थोड़े ही दूर मुरम का खनन करते हुए जेसीबी और एक डंपर को मौके से पकड़ा। इस दौरान एसडीएम ने उत्खनन कर्ताओं से जब परमिट व लाइसेंस मांगा तो वह प्रस्तुत नहीं कर पाए। एसडीएम श्री चौधरी ने तुरंत तहसीलदार एवं सिरोंज थाने में सूचना देकर पुलिस बल एवं कोटवारों को मौके पर बुलवाया और जप्त किए तीनों वाहनों में तहसील कार्यालय के लिए रवाना किया। कार्रवाई के दौरान दोनों वाहनों के चालक इनको ले जाने में आनाकानी कर रहे थे। एसडीएम ने कहा कि परेशान करोगे तो और बड़ी कार्रवाई होगी इसलिए अच्छे से ले चलो

फिर दोनों वाहन चालक इनको ले जाने को तैयार हुए।एसडीएम ने बताया कि कई दिनों से अवैध उत्खनन की शिकायतें मिल रही थी। जिसको लेकर हमने मंगलवार को जांच पड़ताल की तो जेसीबी से मुरम का अवैध उत्खनन करते हुए पाया गया है जिन डंपरों से मुरम को बाहर सप्लाई किया जा रहा था उन्हें भी जप्त कर लिया गया है। वही मिली जानकारी के मुताबिक सम्बंधित भूमि पर लम्बे समय से मुरम का अवैध उत्खनन कर उसे बेचा जा रहा था। कई लोगों द्वारा इसकी शिकायत स्थानीय एसडीएम से की गई थी। इसके बाद कार्रवाई हुई है। वही एसडीएम की कार्रवाई की भनक लगते ही उत्खनन कर्ताओं ने 1 बजकर 10 मिनट पर रॉयल्टी की रसीद काटी, जबकि एसडीएम श्री चौधरी में 12 बजकर 48 मिनट पर मुरम से भरे डंपर को पकड़ने की कार्रवाई की थी। एक डंपर रॉयल्टी 10:30 बजे की कटी हुई थी और 12:30 बजे उसको एसडीएम ने पकड़ा। जिनके द्वारा इस काम को किया जा रहा था उन्होंने कार्रवाई का विरोध करते हुए के द्वारा कहा गया कि हमारे द्वारा लीज ली गई है और जमीन को लेवल कर रहे थे परिवहन की हमारे पास रॉयल्टी है।

शहर में 3500 और गावों में 4 हजार रुपए डम्पर में बेच रहे मुरम

जानकारी के मुताबिक शासकीय भूमि पर खोदी जा रही मुरम शहर में 3500 रुपए प्रति डम्पर के हिसाब से बेची जा रही है तो वही शहर से बाहर गावों में 4 हजार रुपए से अधिक कीमत में मुरम बेची जा रही है। मुरम कोपरा का यह गोरखधंधा कई दिनों से लगातार चल रहा था। भूमाफियाओं के हौसले इतने बुलंद थे कि यह लोग किसी के भी सुनने वाले नहीं थे खुलेआम अवैध रूप से उत्खनन कर अपनी मनमर्जी चला रहे थे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार देवपुर की घाटी पर स्थित शासकीय भूमि पर कई जगह इसी तरह का अवैध उत्खनन चल रहा है। हालांकि एसडीएम द्वारा की गई इस कार्रवाई से लोगों में हर्ष का महौल है। क्योंकि बिना पक्षपात की हुई इस कार्रवाई से इन भू-माफियों के हौसले कुछ हद तक जरूर पस्त हो जाएंगे।

डंपर पर डले नंबरों में भी हेराफेरी

अवैध उत्खनन कर जिन डंपरों के माध्यम से मुरम भरकर ले जा रहे थे उनके नंबरों में भी हेरा फेरी देखने को मिली है एक डंपर पर ड्राइवर ने अपने कथन में एमपी का होना बताया है जबकि उक्त डंपर पर राजस्थान का नंबर डला हुआ है। जिसका नंबर आर जे 23 जीबी 0038 है। लेकिन ड्राइवर इसे एमपी का होना बता रहा था। जिससे कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं एसडीएम ने जिस दूसरे डंपर को पकड़ा है उसका नंबर एमपी 04 एचई 2958 है। इसके अलावा जेसीबी एवं अन्य जरूरी दस्तावेज भी प्रशासन ने मंगवाए हैं।

1000 घन मीटर की की परमिशन 8000 घन मीटर से ऊपर की खदाई

एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि माइनिंग विभाग की तरफ से 1000 घन मीटर की खुदाई के लिए परमिशन दी गई थी। लेकिन इन लोगों ने 8 हजार घन मीटर से अधिक क्षेत्र में खुदाई कर गहरे गड्ढे कर दिए हैं। एसडीएम द्वारा की जा रही कार्रवाई के दौरान डंपर एवं जेसीबी के ड्राइवर ने कार्रवाई से बचने के लिए डंपर को बंद कर वही खड़े हो गए जब एसडीएम ने कहा कि इन्हे तहसील कार्यालय ले चलो तो ड्राइवर अनसुनी करने लगा इसके बाद एसडीएम हर्षल चौधरी में सख्त हिदायत देते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए और कहा कि यदि आनाकानी की तो फिर और कठोर कार्रवाई होगी बाद में मत बोलना कि आपकी सामग्री नष्ट हो रही है। इसके बाद हरकत में आए ड्राइवरों ने उक्त डंपर एवं जेसीबी को तहसील के लिए रवाना किया। हालांकि डंपर एवं जेसीबी में कोटवारों को साथ में बिठाया गया था।

इनका कहना है

हमारे द्वारा दोपहर के समय दो डंपरों और एक जेसीबी को मुरम का उत्खनन करते हुए पकड़ा है। 1000 घन मीटर की परमिशन थी लेकिन यह लोग 8000 से अधिक घन मीटर क्षेत्र में खुदाई कर चुके थे। जांच की जा रही है जांच के बाद कठोर कार्रवाई होगी साथ ही एक डंपर का नंबर ड्राइवर और टीपी में एमपी का होना बताया जा रहा है जबकि उसे पर राजस्थान का नंबर लिखा हुआ है उसकी भी जांच करवा रहे है।

***हर्षल चौधरी** एसडीएम सिरोंज*

जनजातीय एवं अनुसूचित जाति के छात्रावास तथा आश्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन एक जून तक

रायसेन । जनजातीय एवं अनुसूचित जाति के छात्रावास, आश्रमों में शिक्षण सत्र 2024-25 में MPTAAS Portal मॉड्यूल के माध्यम से संचालन किया जाएगा। जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि जो छात्र-छात्राएं छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते हैं वे छात्रावास में प्रवेश के पूर्व अपना प्रोफाईल पंजीयन अवश्य कराएं। इन संस्थाओं जूनियर/आश्रम, उत्कृष्ट/सीनियर एवं महाविद्यालय बालक/कन्या में बिना प्रोफाईल पंजीयन के छात्र-छात्राओं को छात्रावास में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रोफाईल पंजीयन कराने हेतु विभागीय वेबसाईट पर जाकर नया हितग्राही प्रोफाईल पंजीयन करा सकते हैं। छात्र-छात्राएं जिस छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते हैं, उस छात्रावास में जाकर निःशुल्क प्रवेश आवेदन फार्म प्राप्त करें एवं पूर्ण भरा हुआ आवेदन फार्म आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रवेश की अंतिम तिथि 01 जून 2024 तक संबंधित छात्रावास में अधीक्षक/अधीक्षिका के पास जमा कराना होगा।

ग्राम पंचायत बरोदिया में साफ-सफाई के नाम लाखों का भुगतान कर किया फर्जीवाड़ा

सरपंच पति और सचिव ग्राहक सेवा केन्द्र ऑन-लाईन सर्विस सेंटर पर मेहरबान, किया लाखों का भुगतान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत नटेरन शमशाबाद क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम बरोदिया में जिस तरह से सरपंच पति और सचिव ने मिलकर जनता की गाढ़ी कमाई की बंदरबांट की उसे देखकर इस बात अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह लोग किस हद तक जा सकते हैं। ग्राहक सेवा केंद्र शमशाबाद आन-लाइन सर्विस को ग्राम पंचायत द्वारा नाली साफ सफाई के नाम पर लाखों रुपये का भुगतान किया गया है। जिस ग्राम पंचायत में महिला सरपंच हैं उन ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार कुछ ज्यादा ही हो रहा है,क्योंकि उन महिला सरपंचों की जगह उनके पति या परिजन पंचायतों को चला रहे हैं। और जनता की गाढ़ी कमाई के पैसों पर अपना अधिकार समझ कर फर्जीवाड़ा कर रहे हैं, एवं फर्जी तरीके से बिल वाउचर लगा कर राशि का अहारण कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण की सरेआम पंचायतों में धज्जियां उड़ाई जा रही है,और जिम्मेदार अधिकारीयों की खामोशी महिला सरपंचों के पति एवं परिजनों को बढ़ावा दे रही है। जिस के चलते सरपंच प्रतिनिधि बनकर पंचायत में लूट मचा रखी है। भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच-सचिवों जिस तरह से संरक्षण मिल रहा है, उस में अधिकारियों के साथ साथ जनप्रतिनिधि भी कहीं ना कहीं उतने ही दोषी है जितने की भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव है। आन-लाइन भुगतान प्रक्रिया इस लिये शुरू की गई थी ताकि ग्राम पंचायतों द्वारा किये जाने वाले भुगतान में पारदर्शिता बनी रहे और भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सके, भ्रष्टाचार रुकने की जगह और ज्यादा बढ़ गया है। हालात देखकर तो ऐसा लगता है कि भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच और सचिवों को किसी भी तरह का

कोई भय नहीं है। सरपंच और सचिव वही ग्राम पंचायत वरोदिया द्वारा राज्य वित्त आयोग की राशि को मनमाने ढंग से निकाला जा रहा है, सरपंच सचिव द्वारा फोटो कॉपी और ऑनलाइन प्रिंट आउट के नाम पर जो राशि निकाली गई है। जो कि इन के द्वारा किया गया यह कृत्य भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की ओर इशारा कर रहा है। क्योंकि जब ग्राम पंचायत में बर्षो पूर्व से कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर सभी उपलब्ध होने के बाद भी ग्राम पंचायत द्वारा ऑनलाइन प्रिंट आउट और फोटो कॉपी के नाम पर हजारों रुपये की राशि निकली जा रही है,इस का बात से अंदाजा लगाया जा सकता हैं की ग्राम पंचायत में किस तरह से भ्रष्टाचार व्याप्त है।

वहीं इसी तरह ग्राम पंचायत में ग्राहक सेवा केंद्र ऑनलाइन सर्विस के नाम से ग्राम पंचायत द्वारा ग्राहक सेवा ऑनलाइन सर्विस सेंटर को नाली सफाई का भुगतान टैंकर रिपेयरिंग का भुगतान डीएससी बनवाने का भुगतान किया गया है,इसका इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ग्राहक सेवा केंद्र ऑनलाइन सर्विस देने वाला नाली सफाई का कार्य करने ग्राम पंचायत वरोदिया जा सकता है। यह सब देखकर साफ नजर आता है कि सचिव सरपंच इंजीनियर एडीओ पीसीओ कितनी लग्न और इमानदारी से अपने कर्तव्यों को निभाया जा रहा है।

इनका कहना है

आपके द्वारा भ्रष्टाचार का मामला संज्ञान में लाया गया है इसकी जांच हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी से जांच कराऊंगा और जांच में सही पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई के लिए भी आगे लिखूंगा।

***संगीता यशपाल रघुवंशी**, जनपद अध्यक्ष नटेरन*

ग्राम पंचायत द्वारा किये गये भ्रष्टाचार का मामला मेरी संज्ञान में आप के द्वारा लाया गया है,इसकी जांच कराऊंगा और किसी भी दोषी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जायेगा इसकी मुख्य कार्यपालन अधिकारी से जांच कराऊंगा और जांच में सही पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई के लिए भी आगे लिखूंगा।

***नीलेश किरार**, जनपद उपाध्यक्ष नटेरन*

लाइसेंस निलंबित होने से शराब दुकान थी बंद, पीछे के दरवाजे से बेची अवैध रूप से शराब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

निर्धारित मूल्य से अधिक दामों पर मंडी बाईपास रोड पर संचालित होने वाली शराब दुकान से शराब बेचने का मामला सामने आया था। इसके बाद सहायक उप निरीक्षक संजय इब्ने के द्वारा दुकान का निरीक्षण किया था अधिक दामों पर शराब विक्रय पाए जाने 10000 का अर्थ दंड भी लगाया था और एक दिन के लिए शराब दुकान का लाइसेंस निलंबित किया था। इसके चलते मंगलवार को शराब दुकान लाइसेंस सस्पेंड होने के कारण बंद थी पर वहीं सूत्रों ने बताया तथा एक वीडियो भी सामने आया जिसमें यहां पर

आने वाले शराबियों को शराब बेचने का काम किया जा रहा था जिसका वीडियो वायरल होने के बाद चोरी चोरी छुपे शराब बेचने का काम बंद हुआ नहीं तो काफी समय तक शराबियों को यहां से शराब देने का काम किया जा रहा था यहां पर शराब किसके द्वारा बिकवाने का कार्य किया जा रहा था शराब दुकान में ताले लगे होने के बाद भी बाहर से दी जा रही थी । इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आबकारी विभाग के निर्देशों का भी खुलेआम शराब दुकान के बाहर उल्लंघन किया जा रहा था लाइसेंस निलंबित होने के बाद भी इस तरह से शराब उपलब्ध कराना एक तरह से नियम वृद्धि है। क्योंकि आबकारी विभाग के नियमों का उल्लंघन करने पर शराब दुकान का लाइसेंस निलंबित होने के बाद भी यहां पर से शराब कैसे दी जा रही थी इसकी जांच भी होनी चाहिए।

मेट्रो एंकर वक्फ कब्रिस्तान मामले में एसडीएम के फैसले पर अपर कलेक्टर की मोहर

अब मुस्लिम समाज के कब्रिस्तान हुए सुरक्षित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हाल ही में वक्फ बोर्ड को वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल के मार्गदर्शन में एक बड़ी जीत जिला अपर कलेक्टर न्यायालय से भी मिली जिसमें वक्फ बोर्ड की और से अधिवक्ता शोएब खांन जिला वक्फ कमेटी के सह सचिव रजी खांन ने वक्फियॉ संपत्ति की सुरक्षा को लेकर अच्छा कदम उठाया गौरतलब है कि तालाब की पार से थाने के सामने स्थित वक्फियॉ कब्रिस्तान की भूमि के मामले में एसडीएम न्यायालय के दिनांक 10 नवम्बर 2023 के फैसले पर अब न्यायालय अपर कलेक्टर विदिषा ने भी मौहर लगाकर मुस्लिम समाज के कब्रिस्तानों को सुरक्षित कर वक्फियॉ कब्रस्तान की भूमि पर अपना हक जमाने वाले व्यक्ति की अपील को खारिज कर दिया जिससे मुस्लिम समाज में हर्ष है।

एसडीएम न्यायालय से मिली थी जीत जिला वक्फ कमेटी के पूर्व सचिव एवं अधिवक्ता शोएब खांन ने बताया की सिरोंज की तालाब की पार स्थित कब्रस्तान एवं बिलाल मस्जिद के आगे कि कब्रस्तान की भूमि जिसका खसरा क्रमांक 709 एवं 708 है जो म.प्र. वक्फ बोर्ड में दर्ज है इसके बाद भी उक्त कब्रिस्तान के मुतावल्ली द्वारा खसरा क्रमांक 708 की भूमि को बाला-बाला नाम कर दी थी साथ ही खसरा क्रमांक 709 कब्रिस्तान की पार को भी मुतावल्ली के परिवार के लोगो द्वारा खुर्द बुर्द करने का प्रयास किया जा रहा था जिसकों लेकर तत्कालीन तहसील वक्फ

कमेटी के अध्यक्ष एवं वर्तमान जिला वक्फ कमेटी के सह सचिव रजी खान द्वारा अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी को समपूर्ण प्रकरण के साक्ष्यों सहित षिकायत की थी जिसके बाद अनुविभागीय अधिकारी न्यायालय में चले प्रकरण में वक्फ बोर्ड के पक्ष में फैसला करते हुए राजस्व अभिलेखों में उक्त खसरों को दर्ज करने का आदेश होकर अमल हुआ था जिसके बाद समाज के लोगो ने उक्त कब्रस्तान की सुरक्षा हेतु बाउण्ट्रीबाल की थी इस दौरान एसडीएम हर्षल चौधरी के निष्पक्ष फैसले की सराहना भी की जा रही थी ।

इनका कहना है

मुतवल्ली द्वारा कब्रिस्तान अवैध तरीके से अपने नाम करा लिया था उक्त कब्रिस्तान में हमारे बाप दादा दफन है इस कब्रिस्तान में गलत तरीके से नाम दर्ज करवाए थे हमारे सिरोंज के होनहार युवा सब डिविजन अफिसर हर्षद चोधरी ने उन नामो हटाकर तहसील में कब्रिस्तान म.प्र. वक्फ बोर्ड दर्ज कर किया एवं हम उन अधिकारियों का आभार व्यक्त करते है, जिन अधिकारियों ने वक्फ के हक में फैसला दिया, सिरोंज के उन नोजवानों के हक में दुआ करते है अल्लाह उन्हें और हिम्मत दे जिन्होंने आगे बड कर हिस्सा लिया और हक की लड़ाई में आगे आये।

***गाजी वली अहमद चिश्ती** उपाध्यक्ष जमियत उलमा हिन्द म.प्र*

अपील हुई खारिज

उक्त मामले में खसरा कमांक 708 की भूमि को संबंधित मुतावल्ली से लेने के बाद वहा टीनशेडनुमा बनाई गई चक्की एवं कब्रस्तान की भूमि पर अपना हक बताते व्यक्ति द्वारा अपर कलेक्टर न्यायालय में अपील दर्ज कराई गई और अधिनस्थ न्यायालय से उन्हें सूचना न देने की बात कही थी अपील में कही साथ ही अपने तर्क दिए जिसमें संबंधित भूमि खरीदना बताया था इसके साथ ही मुतावल्ली के परिवार के सदस्य भी अपने दस्तावेज पेश नहीं कर सके जिसके बाद रजी खांन सह सचिव जिला वक्फ कमेटी एवं वक्फ बोर्ड की तरफ से अधिकृत एडवाकेट शोएब खांन ने अपने जवाब प्रस्तुत करते हुए दस्तावेज उपलब्ध कराए जिस पर अपर कलेक्टर ने गहनता से विचार कर अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत आधार बलहीन होने से अपील अस्वीकार करते हुए न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज के दिनांक 10.11.23 के आदेश को बरकरार रखा। इसके पूरे प्रकरण में वक्फ बोर्ड के चौयरमेन डॉ सनवर पटेल द्वारा भी पूर्ण रूप से सहयोग किया जिसके चलते इस यह प्रकरण यथावत वक्फ बोर्ड के पक्ष में रहा। गौरतलब है कि विगत कुछ समय से वक्फ संपत्ति की सुरक्षा को लेकर जिला वक्फ कमेटी विदिशा के पूर्व सचिव एडवाकेट शोएब खांन, जिला वक्फ कमेटी के सह सचिव रजी खांन सक्रिय है जिनके प्रयासों से कई वक्फ संपत्ति सुरक्षित हुई ।

आज टॉप-2 में स्थिति मजबूत करने का मौका

दिल्ली-लखनऊ लगभग बाहर राजस्थान प्लेऑफ में पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी

आईपीएल के 64 मैच खेले जा चुके है। सीजन के 64वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हराया। दिल्ली अपने सभी लीग मैच खेलकर 14 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर आ गई। इससे लखनऊ के 16 पॉइंट्स तक पहुंचने की संभावना खत्म हो गई और राजस्थान 16 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई हो गया। लखनऊ 12 अंक के साथ 7वें नंबर पर है। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के 64वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हराया। इसके साथ ही दिल्ली के सभी 14 मैच हो गए और टीम को 2 पॉइंट्स मिले।

दिल्ली कैपिटल्स के 14 मैचों में 7 जीत और 7 हार के साथ 14 पॉइंट्स हुए। खराब रनरेट के कारण टीम 5वें स्थान पर है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए सीएसके को आरसीबी के खिलाफ जीतना होगा, ताकि आरसीबी 14 पॉइंट्स पर नहीं पहुंचे। वहीं, एमआई को एलएसजी को हराना होगा। इसके बाद दिल्ली के चौथे पोजिशन पर आने के लिए एसआरएच को अपने बचे दोनों मैचों में 200 रन चेज करते हुए 194 रन से हारना होगा। दोनों मैचों में मिलाकर हार का अंतर कुल 194 रन होना चाहिए। उदाहरण के लिए अगर स्क्रा पहले मैच में 200 रन चेज करते हुए 94 रन से हारी और फिर अगले मैच में फिर 200 रन चेज करते हुए 100 रन से हारी तो ही दिल्ली ऊपर आ सकेगी। लखनऊ का रन रेट लीग में गुजरात के बाद सबसे खराब है।

अभिषेक शर्मा सिक्सर किंग

एसआरएच के अभिषेक शर्मा 17वें सीजन के सिक्सर किंग हैं, उन्होंने 12 मैचों में 35 सिक्स लगाए हैं। विराट कोहली 33 छक्के लगाकर दूसरे नंबर पर हैं।

हेड ने लगाए ज्यादा चौके

ट्रैविस हेड ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 61 चौके लगाए हैं। गायकवाड 58 चौके लगाकर दूसरे और विराट 56 चौके लगाकर तीसरे नंबर पर हैं।

13 मैचों के बाद टीम के 6 जीत और 7 हार के बाद 12 अंक है। क्वालिफाई करने के लिए लखनऊ को लगभग 150+ रन के मार्जिन से जीतना होगा जो कि बहुत मुश्किल है।

आज राजस्थान के पास टॉप-2 में स्थिती मजबूत का मौका

राजस्थान रॉयल्स दिल्ली की जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर गई। टीम का आज मुकाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ है। टीम बड़े मार्जिन से जीतीं तो टॉप-2 में जगह मजबूत कर सकती है। आरआर के अलावा सिर्फ एसआरएच के पास ही टॉप-2 में आने का मौका है। एसआरएच के 14 पॉइंट्स हैं और उसके पास 2 मैच यानी 4 पॉइंट्स हासिल करने का मौका है। टॉप-2 में आने का फायदा यह है कि इन टीमों को फाइनल में प्रवेश करने के 2 मौके मिलते हैं।

पंजाब बाहर, आज जीती तो 9वें स्थान पर आएगी

पंजाब किंग्स पहले ही आईपीएल से बाहर हो चुकी है। टीम के 12 मैचों में 4 जीत और 8 हार के साथ 8 पॉइंट्स है। अगर आज टीम जीती तो 10 पॉइंट्स के साथ 10वें से 9वें नंबर पर आ जाएगी।

कोहली टॉप रन स्कोरर

विराट कोहली टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर हैं, उनके नाम 13 मैचों में 661 रन हैं। उनके बाद सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 583 रन बनाए हैं। जसप्रीत बुमराह टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर बने हुए हैं।

आर्सेनल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया, खिताबी रेस हुई दिलचस्प

मैनचेस्टर सिटी आज टोटेनहैम व 19 को वेस्ट हैम से खेलने उतरेगी

ओल्ड ट्रैफर्ड (लंदन), एजेंसी

दिग्गज खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने घरेलू मैदान पर पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के लिए आखिरी मैच खेला और गोल दागा। हालांकि विदाई मैच एम्बाप्पे के लिए यादगार नहीं रहा और शीर्ष पर काबिज पीएसजी को 10वें स्थान पर कायम टूलूज के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

मैनचेस्टर सिटी तोड़ सकती है सपना: आर्सेनल को यदि चैंपियन बनना है तो उसे ना सिर्फ अपना आखिरी मैच जीतना होगा, बल्कि यह प्रार्थना करनी होगी कि मैनचेस्टर सिटी अपने अगले दोनों मैच या तो ड्रॉ खेले या फिर हार जाए। बेल्जियम के अनुभवी फुटबॉलर लियानाड्रो ट्रोसार्ड के एकमात्र गोल से आर्सेनल ने रविवार रात यहां खेले गए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से शिकस्त दी। वहीं आर्सेनल की जीत से ईपीएल चैंपियन की रेस बेहद दिलचस्प हो गई है। दरअसल, आर्सेनल की टीम अंकतालिका में 86 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं, मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर सिटी 85 अंकों के साथ अभी दूसरे पायदान पर है। हालांकि आर्सेनल के पास सिर्फ एक मैच शेष है जबकि मैनचेस्टर सिटी को अभी दो मुकाबले खेलने हैं।

दर्ज की लगातार पांचवीं जीत

आर्सेनल ने टूर्नामेंट में लगातार 5वीं और 37 मैचों में 27वीं जीत हासिल की। ईपीएल में एक टीम कुल 38 मैच खेलती है और जिस टीम के सर्वाधिक अंक होते हैं, वो चैंपियन बनती है।

चैंपियन बनने की कोशिश

तीन बार की पूर्व चैंपियन आर्सेनल ने आखिरी बार 2003-04 में खिताब जीता था और उसके चैंपियन बनने की उम्मीदें एक बार फिर मजबूत हो गई हैं। लेकिन उसकी राह में सबसे बड़ी बाधा मैनचेस्टर सिटी है।

मेट्रो बाजार

24 करोड़ घरों को ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने 4.2 लाख करोड़ की जरूरत

मुंबई, एजेंसी

देश के 24 करोड़ घरों को अगले छह साल में यानी 2030 तक तेज रफ्तार वाली ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ रुपये के भारी निवेश की जरूरत होगी। ईवाई ग्लोबल के दूरसंचार क्षेत्र के प्रमुख एवं भागीदार प्रशांत सिंघल ने ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के सम्मेलन में इसका ब्योरा देते हुए कहा, फाइबर बिछाने पर 2.7-3 लाख करोड़ रुपये, बुनियादी ढांचे पर 90,000-96,000 करोड़, वाईफाई एवं इन-बिल्डिंग समाधान पर 6,600-9,000 करोड़ रुपये, डाटा सेंटर पर 9,700-14,100 करोड़ रुपये और उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं पर 26,000-29,000 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। प्रशांत सिंघल ने कहा कि भारत में अभी चार करोड़ घर से ब्रॉडबैंड से जुड़े हैं।?इनमें शहरी इलाकों में ब्रॉडबैंड की पहुंच 3.6 करोड़ घरों तक है। ग्रामीण क्षेत्रों में 30 लाख कनेक्शन हैं। इन्हें 2030 तक क्रमशः 10 करोड़ और 15.3 करोड़ घरों तक पहुंचाने की जरूरत है। सिंघल ने कहा, भारत में अभी चार करोड़ घर से ब्रॉडबैंड से जुड़े हैं। इनमें शहरी इलाकों में ब्रॉडबैंड की पहुंच 3.6 करोड़ घरों तक है। ग्रामीण क्षेत्रों में 30 लाख कनेक्शन हैं। इन्हें 2030 तक क्रमशः 10 करोड़ और 15.3 करोड़ घरों तक पहुंचाने की जरूरत है। ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के अध्यक्ष टीवी रामचंद्रन ने कहा, देश में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड का मौजूदा ढांचा डाटा की बढ़ती खपत के साथ तालमेल नहीं बिठा सकता है। छह साल में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 20 फीसदी की न्यूनतम वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी।

एफटीए भागीदारों को 14.48 फीसदी बढ़ा भारत का निर्यात

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत का वैश्विक व्यापार में 1.8 फीसदी हिस्सा है। यह निर्यात में दुनियाभर में 17वें स्थान पर है। आयात के मोर्चे पर भारत वैश्विक व्यापार में 2.8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 8वें स्थान पर है। भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले देशों को निर्यात 2018-19 से 2023-24 के बीच यानी छह साल में 14.48 फीसदी बढ़कर 122.72 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों को 107.20 अरब डॉलर का निर्यात किया था। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, छह साल की इस अवधि में एफटीए भागीदारी वाले देशों से भारत का आयात 37.97 फीसदी बढ़कर 187.92 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों से 136.20 अरब डॉलर का माल आयात किया था।

विवादः भारतीय कुश्ती महासंघ ने कहा...

डब्ल्यूएफआइ ओलंपिक जाने वाली टीम का चयन करेगी

नईदिल्ली, एजेंसी

26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेल 2024 की शुरुआत में अब सिर्फ दो महीने शेष रह गए हैं लेकिन भारतीय कुश्ती में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने साफ कहा कि पेरिस ओलंपिक में किस पहलवान को भेजा जाएगा, इसका फैसला सिर्फ भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) नहीं बल्कि महासंघ करेगा। गौरतलब है कि अभी तक भारत के छह पहलवानों ने ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया है। महिला अंतिम पंघाल (53 किग्रा), विनेश फोगट (50 किग्रा), अंशू मलिक (57 किग्रा) और रीतिका हुडा (76 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) पुरुष अमन सहरावत 57 किग्रा, फ्रीस्टाइल भारतीय महिला पहलवान निशा दहिया (दाएं) ने भारत को हाल ही में छठा ओलंपिक कोटा दिलाया था।

फेडरेशन कप फाइनल्स आज

सीधे फेडरेशन कप फाइनल्स में खेलेंगे नीरज और किशोर

भुवनेश्वर. एजेंसी

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और किशोर जेना को 15 मई को फेडरेशन कप फाइनल्स में सीधे प्रवेश दिया गया है। भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि वे खिलाड़ी जो 75 मीटर के स्तर को पार कर चुके हैं, वे मंगलवार को क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। जिन लोगों ने प्रविष्टियां दी हैं, उनमें नीरज और जेना समेत ऐसा

करने वाले 9 खिलाड़ी हैं। वे बुधवार को सीधे फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। नीरज चोपड़ा पिछले सप्ताह दोहा डायमंड लीग में 88.38 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे।

यूरोप दौराः भारतीय जूनियर टीम घोषित

20 मई से शुरू होगी हॉकी स्पर्धा

बेल्जियम, जर्मनी, नीदरलैंड्स में मैच

नईदिल्ली. एजेंसी

हॉकी इंडिया ने 20 से 29 मई तक यूरोप दौरे के लिए 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का ऐलान किया है। डिफेंडर रोहित को कप्तान जबकि शारदानंद तिवारी को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय जूनियर हॉकी टीम यूरोप दौरे पर तीन देशों बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड में पांच मैच खेलेगी। कप्तान रोहित ने कहा कि हम अपने शिविर में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं और एक-दूसरे के गेम प्ले को समझ रहे हैं। अन्य देशों के खिलाफ खेलने से हमें खुद को निखारने में मदद मिलेगी।

टीम- गोलकीपर- प्रिंस दीप सिंह, विक्रम जीत सिंह। डिफेंडर शारदानंद तिवारी, योगेंबर रावत, अनमोल एक्का, रोहित, मनोज यादव, तालेम प्रियो बार्टा। मिड फिल्डर- अंकित पाल, रोशन कुजूर, बिपिन, मुकेश टोप्पो, मनमीत सिंह, वचन एचए। फॉरवर्ड- सौरभ आनंद, अर्शदीप सिंह, गुरजोत सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, दिलराज, गुरसेवक।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

• विदेश में फिल्माए जाएंगे सीन्स

'हाउसफुल 5' की शूटिंग की खोज में जुटे फिल्म निर्माता

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त 'हाउसफुल 5' की घोषणा कर फैंस को बड़ा तोहफा दिया था। इसके बाद से ही प्रशंसक हाउसफुल 5 के साथ हंसी की रोलरकोस्टर सवारी के लिए तैयार हैं। वे लगातार फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में खबर आई थी कि अभिषेक बच्चन कलाकारों की टोली में शामिल हो चुके हैं। वहीं अब फिल्म पर एक और बड़ा अपडेट सामने आया है, जो फिल्म की शूटिंग से जुड़ा हुआ है। तरुण मनसुखानी की फिल्म पर प्री-प्रोडक्शन का काम इसी महीने शुरू होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म निर्माता 10 दिनों में रेकी के लिए यूके जाएंगे। वहीं अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और अन्य कलाकारों के जरिए अभिनीत कॉमिक फिल्म को मुख्य रूप से लंदन में शूट किया जाएगा। निर्देशक कुछ नए स्थानों पर भी शूट करना चाहते हैं। वहीं ताजा जानकारी यह भी है कि हाउसफुल 5 की शूटिंग इस साल अगस्त में शुरू हो जाएगी और शूटिंग के लिए लगभग 65 दिन निर्धारित किए गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'हाउसफुल 5' के निर्माताओं ने लंबी रेकी करने की योजना बनाई है यानी वे लंबे समय तक अच्छी जगह की खोज करना चाहते हैं। इसका कारण यह बताया गया है कि अक्षय पहले ही यूके में दो फिल्मों की शूटिंग कर चुके हैं। उनकी आगामी कॉमिक फिल्म के निर्माता ऐसे ही स्थानों से बचना चाहते हैं। वे किसी नए स्थान पर फिल्म के दृश्य फिल्माने की योजना बना रहे हैं। तरुण मनसुखानी नए स्थानों को बड़े पर्दे पर लाना चाहते हैं। खबरें हैं कि निर्माताओं ने फिल्म की शूटिंग के लिए 60 से 65 दिन तय किए हैं। लंदन जाने से पहले फिल्म के कलाकार पूरी तरह से तैयारी करेंगे। एक ब?ी कास्ट और क्रू होगी शूटिंग की तैयारियों में मदद करेगी, जिससे कम समय में शूटिंग की सारी तैयारियां हो जाए। तरुण फिल्म का ज्यादा से ज्यादा हिस्सा जल्द ही शूट करना चाहते हैं।

साजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल फ्रेंचाइजी में अभिषेक बच्चन की वापसी की पुष्टि की थी। अभिनेता हाउसफुल की पांचवीं किस्त में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे...

• पुरानी यादों में खोईं जीनत, सोशल मीडिया पर डाली फोटो

डिस्क्लेमर के साथ साझा की तस्वीर, डिंपल के लिए बोली उनमें बहुत खूबियां हैं...

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा जीनत अमान इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव दिखाई देती हैं। अक्सर वे पुराने दिनों को याद करते हुए अपने इंस्टाग्राम से कई पोस्ट को साझा करती रहती हैं। अब हाल ही में, जीनत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर डिंपल कपाड़िया के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा की है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। जीनत अमान ने एक बार फिर यादों का पिटारा खोला है। अभिनेत्री ने पुरानी यादों को ताजा करने के लिए डिंपल कपाड़िया के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की है। ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में अभिनेत्री सिगरेट पी रही हैं और डिंपल और फिल्म निर्माता जॉय मुखर्जी उन्हें देख रहे थे। थ्रोबैक के साथ अपने लंबे कैप्शन में, जीनत ने न केवल डिंपल के बारे में बात की, बल्कि प्रशंसकों से तस्वीर में उनके धूम्रपान से प्रभावित न होने के लिए भी कहा। अभिनेत्री ने तस्वीर साझा करते हुए इसके कैप्शन में लिखा, मुझे याद नहीं आ रहा कि यह तस्वीर कहां ली गई थी, लेकिन इसका फिल्म छैला बाबू से कुछ लेना-देना है। शायद यह सेट से बीटीएस शॉट है। मैं ऐसा इसलिए कह रही हूं क्योंकि जहां कुर्सियां 'प्रोडक्शन' चिल्ला रही हैं, वहीं मैं फिल्म के ड्रेस में नहीं बल्कि अपने कपड़ों में हूं। मेरे साथ फिल्म के निर्देशक जॉय मुखर्जी और डिंपल कपाड़िया भी हैं, जो अभिनेता राजेश खन्ना से शादी होने के कारण सेट पर आती रही होंगी। डिंपल की तारीफ करते हुए जीनत ने लिखा, यह डिंपल की प्रतिभा के बारे में एक पोस्ट नहीं है, हालांकि उनमें बहुत खूबियां हैं, यह उनके चरित्र के बारे में, मैंने जो कुछ देखा उनके बारे में है। मेरे जीवन में एक बहुत ही कठिन दौर के दौरान वह कुछ लोगों में से एक थीं, जो सार्वजनिक रूप से मेरे साथ खड़ी थीं। अभिनेत्री ने आगे लिखा, अपने जीवन की आलोचना और जांच के बावजूद उस कठिन समय में उन्होंने मुझे अपनी ताकत की पहचान करवाई, जिसकी मैं आज तक प्रशंसा करती हूं, लेकिन मुझे विश्वास नहीं है कि वह इंस्टाग्राम पर है शायद ट्विंकल खन्ना मेरे प्यार को उन तक पहुंचाएंगी, सच में, जब कुछ दिन पहले मुझे यह तस्वीर मिली तो मुझे इसे शेयर करना ही पड़ा। कृपया इस तस्वीर में मेरे धूम्रपान से प्रभावित न हों! मैं स्वीकार करूंगी कि मैंने अपनी 30 के दशक की शुरुआत के बीच कुछ सिगरेट का आनंद लिया, लेकिन जैसे ही मैं अपने पहले बच्चे के साथ गर्भवती हुई, मैंने इसे छोड़ दिया।

• मुंबई में हुई दुर्घटना का बनाया मजाक!

ट्रोलर्स के निशाने पर आई अंकिता बोले - 'ओवरएक्टिंग की दुकान'

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। आए दिन उन्हें किसी न किसी कारण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। एक बार फिर अभिनेत्री ट्रोलर्स के निशाने पर आई हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह मुंबई में आई धूल भरी आंधी को देखकर हैरान होती हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो में उनके ऐसे हाव-भाव देखकर सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें ओवरएक्टिंग की दुकान कह रहे हैं।

अभिनेत्री साझा किया वीडियो

अंकिता लोखंडे ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा की है। इसमें वह मुंबई में अपने अपार्टमेंट की बालकनी में दिखाई दे रही हैं। वीडियो में वह तूफानी बारिश और बाहर के दृश्य की ओर इशारा करती हुई नजर आ रही हैं। उनके वीडियो में मुंबई की धूल भरी आंधी साफ दिख रही है। वीडियो में अभिनेत्री कहती दिख रही हैं, ये क्या हो रहा है यार? ये क्यों हो रहा है ऐसे? ये क्या है? क्या बकवास है? अभिनेत्री का वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो गया है। अंकिता के इस वीडियो पर फैंस अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वीडियो में उनके हाव-भाव देखकर देखकर फैंस उन पर जमकर निशाना साध रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा- 'ओवरएक्टिंग की दुकान', वहीं एक अन्य यूजन ने लिखा, 'मैडम जी इसको आंधी बोलते हैं।' एक अन्य ने लिखा, यह आपके लिए अच्छा है, लेकिन बेघर लोगों के बारे में सोचिए, वे कैसे जीवित रहेंगे? इसी तरह तमाम यूजर्स उन्हें इस वीडियो को लेकर ट्रोल कर रहे हैं।

'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में आई थीं नजर

गौरतलब है कि सोमवार को मुंबई के घाटकोपर में एक पेट्रोल पंप पर एक बड़ा होर्डिंग गिरने से लगभग 100 लोग फंस गए, जिसमें 14 लोगों की जान चली गई है। वहीं, अंकिता लोखंडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार रणदीप हुड्डा की फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने यमुना बाई का किरदार निभाया था।

आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म मामला

सीडब्ल्यूसी के संज्ञान के बाद हो सकी गिरफ्तारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित ज्ञानगंगा इंटरनेशनल स्कूल के हॉस्टल में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में आखिरकार मिसरोद पुलिस ने संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। लंबे समय से मिसरोद पुलिस आरोपी संचालक को गिरफ्तार नहीं कर रही थी। पुलिस की दलील थी कि सबूत के अभाव में गिरफ्तारी कर भी ली जाती है तो कोर्ट से उसे राहत मिल जाएगी, लेकिन सीडब्ल्यूसी में बच्ची के बार-बार बयान हुए और बयान में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ। बच्ची अपनी बातों पर अडिग रही और अपने साथ हुए घिनौने कृत्य को बताती रही। लिहाजा सीडब्ल्यूसी ने संज्ञान लिया और पुलिस को संचाल को गिरफ्तार करना पड़ा। पुलिस ने उक्त मामले में अरेरा हिल्स थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर प्रकाश राजपूत को भी गिरफ्तार किया है। मंगलवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया है। पुलिस

दुष्कर्म के आरोप में स्कूल संचालक व पीड़ित पक्ष पर दबाव बनाने वाला एसआई प्रकाश राजपूत गया जेल

प्रकरण में अन्य दो आरोपियों की पहचान कर रही है। पुलिस के मुताबिक पिछले महीने आठ साल की बच्ची ज्ञानगंगा इंटरनेशनल स्कूल पड़ती थी। 29 अप्रैल को पता चला कि बच्ची के साथ स्कूल के हॉस्टल में एक दाड़ी वाले अंकल ने दुष्कर्म किया है। बच्ची की मां उसे जय प्रकाश अस्पताल लेकर पहुंची और मेडिकल कराया। उस समय मेडिकल में दुष्कर्म की पुष्टि हुईड्थी और मां ने थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने अज्ञात तीन लोगों के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। दो बार हुई बच्ची की मेडिकल रिपोर्ट में अंतर होने पर मेडिकल बोर्ड से बच्ची का परीक्षण करवाया गया और जांच के लिए एसआईटी गठित की गई थी। पीड़ित बच्ची की मां द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया गया था कि जिस वक्त वह अपनी बच्ची को मेडिकल के लिए अस्पताल लेकर पहुंची थी, उस वक्त एसआई प्रकाश राजपूत ने मामले को रफा-दफा करने और शिकायत नहीं करने के लिए उस पर दबाव बनाया था। मेडिकल रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं होने और सीसीटीवी कैमरों में किसी के दिखाई नहीं पड़ने पर पुलिस किसी आरोपी को नामजद नहीं कर पा रही थी। इधर, सीडब्ल्यूसी की टीम ने जब बच्ची का काउंसलिंग की तो हर बार बच्ची अपनी बात अडिग रही।

करीब पांच से छह दिन पुरानी बताई जा रही है लाश

घर के बेड पर पड़ी बुजुर्ग महिला की डिकंपोज लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित ऐ सेक्टर शांति निकेतन में सुबह बंद मकान से एक बुजुर्ग महिला की लाश बरामद की गई। महिला का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था और तीन मंजिला बिल्डिंग में वह अकेली रहती थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद रिश्तेदारों को सौंप दी है।

प्रधान आरक्षक लीलाधर ने बताया कि उमा लांजेवाल पति स्वर्गीय रवि लांजेवाल (62) रचना टावर के पास, ए सेक्टर, शांति निकेतन गोविंदपुरा में रहती थी। वह तीन मंजिला मकान में अकेली रहती थी। उनके पति की साल पूर्व मौत हो चुकी है, जबकि बेटी जर्मनी में रहती है। उनके परिवार में बेटी के अलावा कोई और नहीं है। उनकी मां अभी जीवित है और अलग रहती है। उमा के भाई लाखन सिंह राजपूत निवासी अयोध्या नगर ने पुलिस को बताया कि बहन उमा का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। वे अक्सर बहन को देखने उनके घर पहुंच जाते थे, लेकिन मानसिक संतुलन बिगड़ा होने के कारण बहन कई बार घर का दरवाजा ही नहीं खोलती थी। अभी करीब पांच छह दिन से उन्होंने घर का दरवाजा नहीं खोला था। लाखन सिंह मंगलवार सुबह बहन के घर पहुंचे और आवाज दी, लेकिन दरवाजा नहीं खुला आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि वह काफी दिनों से बाहर नहीं निकली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर वाले कमरे में उनका शव बेड पर पड़ा मिला।

बीएमएचआरसी से एमडी की पढ़ाई कर रहे युवा डॉक्टर की हार्ट अटैक से मौत

निशातपुरा स्थित भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) से एमडी की पड़ाई कर रहे एक युवा डॉक्टर की हार्ट अटैक के चलते मौत हो गई। घटना के समय वह अस्पताल में ड्यूटी पर थे। सीने में दर्द उठने के बाद साथी डॉक्टरों ने सीपीआर देकर उनकी जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। मंगलवार को पुलिस ने शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी, जिसे लेकर वह अपने गृह नगर चले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक डॉक्टर दीपक शर्मा (25) मूलत: गुरुग्राम हरियाणा के रहने वाले थे। मुजफ्फरपुर से एमबीबीएस की पड़ाई करने के बाद पिछले साल 2023 में उन्होंने एमडी की पड़ाई के लिए बीएमएचआरसी में प्रवेश लिया था। सोमवार की रात वह अन्य डॉक्टरों के साथ ड्यूटी पर थे। रात करीब साढे बारह बजे अचानक डॉक्टर दीपक को घबराहट महसूस हुई और सीने में दर्द उठने लगा। साथी डॉक्टरों ने सीपीआर देकर उन्हें बचाने का प्रयास किया। मौके पर पहुंचे सीनियर डॉक्टरों ने चेक करने के बाद डॉक्टर दीपक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी। डॉक्टर के पिता रिटायर्ड शासकीय कर्मचारी हैं, जबकि मां गृहणी हैं। उनका एक छोटा भाई एमटेक की पढ़ाई कर रहा है, जबकि बड़ी बहन की शादी हो चुकी है।

मजदूरी का प्रलोभन देकर महिला को बंधक बनाया फिर किया दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में 35 साल की महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि आरोपी उसे मजदूरी के बहाने अपने घर लेकर पहुंचा था और वहां बंधक बनाकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा ने बताया कि 35 साल की महिला थाना क्षेत्र के एक कस्बे में रहती हैं और शादी शुदा है। महिला अपने परिवार का गुजर बशर करने मजदूरी करती है। इलाके मे रहने वाला जसरथ सिंह अहिरवार उसे सोमवार को मजदूरी दिलाने का

प्रलोभन देकर अपने साथ अपने घर ले गया था। वहां पीड़िता को बंधक बनाकर उससे दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने महिला को उसके घर छोड़ दिया। आरोपी ने धमकी दी थी कि यदि किसी से शिकायत की तो जान से खत्म कर देगा।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद नाबालिग से बलात्कार

इधर ऐशबाग पुलिस ने 16 साल की नाबालिग की शिकायत पर करण चौहान के खिलाफ बलात्कार, दैहिक शोषण और पाक्सो एक्ट समेत जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि इलाके में रहने वाली 16 साल की किशोरी ने शिकायत करते हुए बताया कि करीब छह महीने पूर्व उसकी पहचान सोशल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर करण चौहान से हुई थी। दोनों को चेटिंग होने लगी और बाद में दोनों के बीच दोस्ती हो गई। दोस्ती बढ़ने पर आरोपी करण चौहान ने उसे मिलने के लिए प्रभात चौराहा स्थित एक होटल में बुलाया और वहां जबरन उससे शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी कहने लगा कि जल्द ही शादी कर लेंगे। इसके बाद आरोपी ने उसका दैहिक शोषण शुरू कर दिया। बार बार आरोपी उसे मिलने का दबाव बना रहा था। परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

खानू गांव स्थित बड़े तालाब में मिला युवक का पैर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा थाना में खानू गांव स्थित बड़े तालाब में मानव पैर मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से पैर तालाब से बाहर निकालने के बाद पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आसपास के इलाके में बाकि शरीर की तलाश शुरू कर दी है। एएसआई रमाशंकर खरे ने बताया कि सोमवार रात बड़े तालाब में कुछ लोगों ने मानव पैर पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पैर तालाब से बाहर निकालकर पीएम के लिए भेज दिया। मंगलवार को पुलिस ने अज्ञात मर्ग कायम कर पैर पीएम के लिए भेज दिया था। पैर करीब एक-दो दिन पुराना होने के कारण उसका कुछ ऊपरी हिल्सा मछलियां खा चुकी थी। एएसआई खरे ने बताया कि पैर जांघ के पास कटा हुआ है।

अवैध शराब का कारोबार 17 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के सुभाष नगर में नरेंद्र नगर बस्ती इलाके में शराब तस्करों ने ठिकाना बनाया हुआ था। सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचुरा ने सूचना पर कंट्रोलर आरपी भदोरिया की टीम को मौके पर भेजा। आरोपी रंगे हाथ खुलेआम शराब बेचते देखे गए। अतिरिक्त सुरक्षा बल को मौके पर बुलाकर पूरी बस्ती को घेरकर छापे की कार्रवाई की गई। इस दौरान शराब तस्कर एवं गिरोह का मास्टरमाइंड संतोष यादव उर्फ बबलू यादव दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से विदेशी शराब की 45 पेटी जप्त की गई। तलाशी लेने पर देसी विदेशी शराब की दर्जनों पेटी बरामद हुई हैं। मौके से ईशान, राजू सिंधी, विक्की सरदार, बन्नी सरदार, राधे, महेश, राहुल, पप्पू परवेज, तेज सिंह, अशोक, अजय, रंजीत, शुभम मेहरा को पकड़ा गया है।

हादसे में घायल रिटायर्ड सैन्यकर्मी की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एक्सीडेंट में घायल हुए एक रिटायर्ड सैन्यकर्मी की इलाजे के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। खजूरी सड़क पुलिस के मुताबिक संजीव कुमार (45) मूलतः छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। वह रिटायर्ड सैन्यकर्मी थे। सेना से रिटायर होने के बाद उन्होंने भौंरी बकानिया स्थित इंडियन ऑयल डिपो में नौकरी करने लगे थे। बीती तीस अप्रैल की सुबह करीब साढ़े चार बजे वह ड्यूटी जाने के लिए निकले थे, तभी रास्ते में अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल संजीव कुमार को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है।

अस्पताल में नसबंदी ऑपरेशन के दौरान महिला ने तोड़ा दम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर स्थित काटजू अस्पताल में मंगलवार को नसबंदी ऑपरेशन के दौरान एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एसआई शंकरलाल कागदे के मुताबिक रीना पत्नी अविनाश (38) बागसेवनिया की रहने वाली थी। मंगलवार वह पति और अन्य परिजनों के साथ नसबंदी का आपरेशन कराने के लिए काटजू अस्पताल पहुंची थी। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद डॉक्टरों की टीम महिला का आपरेशन कर रही थी, तभी अचानक उसकी पल्स कम हो गई। डॉक्टरों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन रीना ने दम तोड़ दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद टीटी नगर पुलिस महिला पुलिसकर्मियों के साथ अस्पताल पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद महिला की मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

मेट्रो एंकर अशोका गार्डन थाना क्षेत्र के अस्सी फीट रोड की वारदात

बाइक सवार युवक को तीन बदमाशों ने होटल के सामने रोका और कर दिया चाकू से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित अस्सी फीट रोड पर बीती रात बाइक सवार युवक पर अज्ञात बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया चाकू लगने से युवक को गंभीर चोट आई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों हमलावरों पर मारपीट और चाकूबाजी का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने बताया कि पवन कुमार आनंद पित दीनदयाल आनंद (36) आचार्य नरेंद्र देव नगर, ऐशबाग में रहता है और प्राइवेट काम करता है। बीती रात करीब साढ़े 12 बजे वह अस्सी फीट रोड से गुजर रहा था, तभी होटल हरदया के सामने उसे तीन युवकों ने रोक लिया और एकाएक चाकू से हमला कर दिया।चाकू के घांव उसे दाहिनी जांघ, बाएं पैर और सीने के पास लगे है। पवन कुमार का कहना है कि हमलावर तीन थे, लेकिन वह किसी भी हमलवावर को पहचानता नहीं है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों से पूछताछ की है। इसके अलावा घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022